भगवान महावीर जन्म कल्याणक विशेषांक

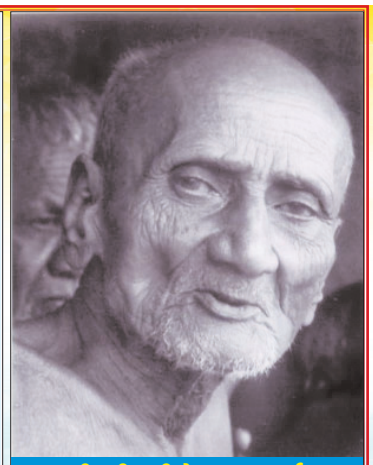

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य
चारित्र चक्रवर्ती
परम पूज्य आचार्य श्री शांति सागर जी

भगवान महावीर के सिद्धांत बदल देंगे जिंदगी

06

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

www.Jaingazette.com

वर्ष 30 अंक 24 कुल पृष्ठ 12 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 22 अप्रैल 2024, वीर नि. संवत् 2550

Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

जैन धर्म के पंच तत्वों की आधार शिला भगवान महावीर

अरिहंत की बोली,
सिद्धों का सार,
आचार्यों का पथ,
साधुओं का साथ,
अहिंसा का प्रचार,
यही है महावीर का सार।

हम महावीर जयन्ती क्यों मनाते हैं ? हम भगवान महावीर को याद क्यों करते हैं? ऐसा क्या दिया उन्होंने हमें ? क्योंकि यह स्वार्थी जगत बिना प्रयोजन तो किसी को याद करता ही नहीं है। उन्होंने हमें कुछ ऐसे सिद्धान्त दिये थे, ऐसा मार्ग बताया था, जिस पर चलकर हम सुख शान्ति प्राप्त कर सकते हैं। भगवान महावीर ने आत्मिक और शाश्वत सुख की प्राप्ति हेतु पाँच सिद्धांत हमें बताए- सत्य, अहिंसा, अचैर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह। अहिंसा धर्म का प्रथम द्वार है और सौहार्द का महोत्सव है। हिंसा कभी धर्म नहीं हो सकती भले ही किसी देवी देवता के नाम से क्यों न की गई। भगवान महावीर की पहचान अहिंसा

से है और विश्व का भविष्य अहिंसा है। आज हिंसा और आतंकवाद से घिरी दुनिया में अमन चैन लाने के लिए अहिंसक शक्तियों को आगे आना पड़ेगा। वर्तमान अशांत, आतंकी, भ्रष्ट और हिंसक वातावरण में महावीर की अहिंसा ही शांति प्रदान कर सकती है। महावीर की अहिंसा केवल सीधे वध को ही हिंसा नहीं मानती है, अपितु मन में किसी के प्रति विचार भी हिंसा है। जब मानव का मन ही साफ नहीं होगा तो अहिंसा को स्थान ही कहाँ ? विश्व में आज हमारे परिणामों में हिंसक प्रवृत्तियां रग रग में समा गई है। करुणा का स्थान क्रूरता ने ले लिया है, नाग चम्पा का स्थान नागफणी ने ले लिया है। वीर की आज हिंसा और परिग्रहत महामारी में घिरी दुनियां में अमन चैन (शांति) लाने के लिये अहिंसक और अपरिग्रह रूपी शक्तियों को आगे लाना होगा। कुछ न होगा रोने से, हाय-हाय चिल्लाने से। कुछ न होगा हत्यारों को गंदी गाली सुनाने से, हमें उठाना होगा हिंसा, परिग्रह रुकवाने को। गांव-

शेष पृष्ठ 09 पर.....

-आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

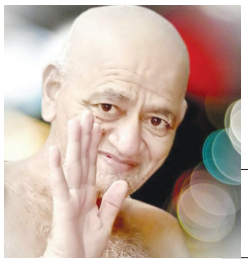

आचार्यश्री विद्यासागर जी को विनयांजलि हेतु विनयांजलि विज्ञापनों का प्रकाशन

संत शिरोमणी परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज को विनयांजलि देने हेतु चार पृष्ठों में एक वर्ष (12 माह) तक विनयांजलि के विज्ञापन प्रकाशित होंगे। आपकी विनयाजंलि भी संक्षिप्त में सादर आमंत्रित है, इसके लिये सम्पर्क करने की कृपा करें -

प्रधान कार्यालय
हमीर कॉलोनी, जैन मन्दिर के सामने, मदनगंज-किशनगढ़

ब्रांच ऑफिस
101, सुशीला एनक्लेव,
जैन मन्दिर के सामने, एवरेस्ट कॉलोनी,
लाल कोठी, जयपुर

ब्रांच ऑफिस
145-सी, सरत बोस रोड,
कोलकाता

ब्रांच ऑफिस
आदर्श वाले
फैन्सी बाजार
गुवाहाटी

शेखर चन्द पाटनी
राष्ट्रीय संवाददाता
जैन गजट
R. K. Advertising
मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)
मो. 9667168267

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

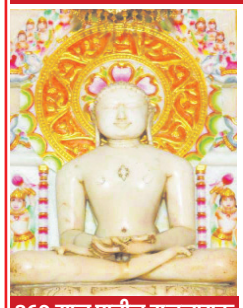

869 साल प्राचीन मूलनायक
श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का प्रसारण

LIVE

आरती : 7:15 - 7:45 AM

शांतिधारा : 8:30 AM

@jainmandirhasteda

नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:
अमित शर्मा (Manager)-9783016885

नामांकित शांतिधारा के लिए किसी भी राशि का आग्रह नहीं है।

हस्तेड़ा जैन मंदिर
दूरी-दिल्ली से 250 किमी.एवं जयपुर से 65 किमी.

संपर्क सूत्रः
नितिन कुमार पाटनी (मंत्री)
9001255955
मनीष जी गंगवाल (कोषाध्यक्ष)
095880-20330

JK MASALE SINCE 1957

Buy online on
jkcart.com

— Breakfast Matlab —

JK POHA

Shudh Khao Swasth Raho...

श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः
लोगुज्जोयरा धम्म तित्थयरे जिणवरेय अरहंते।
कित्तण केवलिमवे य उत्तमबोहि मम दिसंतु॥

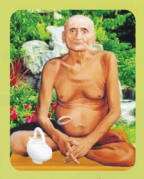
चरित्र चक्रवर्ती
आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज

स्मृति दिवस श्री निर्मलकुमार जैन सेठी

जैन धरोहर दिवस

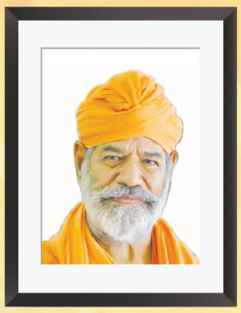
जगद्गुरु कर्मयोगी स्वस्ति
श्री चारुकीर्ति भट्टारक स्वामी जी

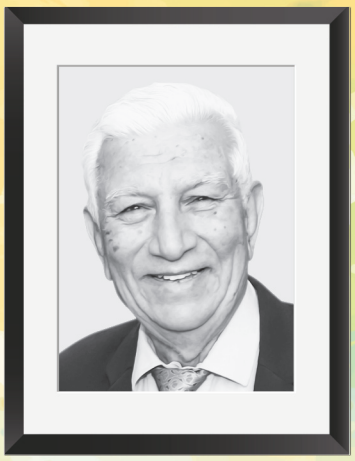
स्व. निर्मल कुमार जैन सेठी
(8 जुलाई, 1938 – 27 अप्रैल, 2021)

अभिनव स्वस्ति
श्री चारुकीर्ति भट्टारक स्वामी जी

मान्यवर
सादर जयजिनेन्द्र,
श्रावकरत्न, कर्मयोगी, देव, शास्त्र और गुरु के अनन्य उपासक, प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धारक श्री निर्मलकुमार जी जैन सेठी की 27 अप्रैल 2024 को तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर सेठी ट्रस्ट और श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की ओर 27 अप्रैल 2024 दिन शनिवार को श्रवणबेलागोला ओर 28 अप्रैल 2024 दिन रविवार को कर्नाटका की राजधानी बेंगलूरु में उनके कार्यों के पुण्यस्मरण एवं विनयांजलि हेतु समारोह का आयोजन किया जा रहा है। उक्त पावन दिवस पर **'दर्शन एवं साहित्य'** तथा **'कला एवं पुरातत्व'** के क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान करने वाले दो विद्वानों को **'निर्मलकुमार जी सेठी मेमोरियल पुरस्कार'** से सम्मानित किया जाएगा। आप सभी से सादर अनुरोध है कि इस पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें विनयांजलि देने हेतु सपरिवार पधारकर हमें कृतार्थ करें।

कार्यक्रम

प्रथम दिवस

जैन धरोहर दिवस
दिनांक : 27 अप्रैल 2024 शनिवार

मंगल आशीर्वाद
परम पूज्य स्वस्ति श्री अभिनव चारुकीर्ति भट्टारक स्वामी जी

अध्यक्षता
परम पूज्य स्वस्ति श्री भुवनकीर्ति भट्टारक स्वामी जी
कनक गिरी

समय
प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 तक

स्थान
चामुंडराय मण्डप जैन मठ श्रवणबेलगोला

द्वितीय दिवस

जैन धरोहर दिवस
दिनांक : 28 अप्रैल 2024 रविवार

अध्यक्षता
श्रीमान नवीन जैन
माननीय सांसद – राज्यसभा

मुख्य अतिथि
श्रीमान सुरेन्द्र हेगडे

समय
प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 तक

स्थान
आचार्य महाप्रज्ञ चेतना केंद्र बेंगलूरु

कार्यक्रमोपरान्त वात्सल्य भोज स्वीकार करने की कृपा करें।

निवेदक

अखिल भारतीय दिगम्बर जैन संस्थाएं

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा चैरिटेबल ट्रस्ट दिल्ली, श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा (धर्म संरक्षिणी, तीर्थ संरक्षिणी, श्रुत संवर्धिनी, महिला महासभा, युवा महासभा) दिल्ली, जैन राजनैतिक चेतना मंच–दिल्ली, भगवान महावीर मेमोरियल समिति, दिल्ली, जैन समाज, दिल्ली, समन्वय समिति, दिल्ली, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी मुंबई, दक्षिण भारत जैन सभा–सांगली भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद्–दिल्ली, दिगम्बर जैन महासमिति–दिल्ली, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद, बड़ौत सुंदरी संगीत कला अकादमी–दिल्ली, जीवदया समन्वय समिति (शाकाहार) दिल्ली।

आयोजक
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर
जैन महासभा
नई दिल्ली

विनीत
सेठी ट्रस्ट
नई दिल्ली । गुवाहाटी । सिलचर

संयोजक
एस डी जे एम आई मैनेजिंग कमेटी, श्रवणबेलगोला
श्री दिगम्बर जैन समाज,
बेंगलूरु

भगवान महावीर स्वामी के 2623 वें
जन्म कल्याणक पर हार्दिक शुभकामनाओं सहित
SANTOSH JAIN & ASSOCIATEL
SWATI VINIMAY & CONSULTAN PVT. LTD
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.
OFFICE
CITY TRADE CENTER,
PNB Building, 4th Floor, A.T. Road, Guwahati-781001
M. : 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 99574-97927

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला | श्रीमती सरिता काला | संदीप-स्वाति पाटनी | श्रेयांस काला

RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H.S.Road, Chhatribari, Guwahati-781008
E-mail : casantoshkala@gmail.com

SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

सत्य और शील का अवलंबन लेने वाला ही अहिंसा का पालक और उपासक- नवोदित आचार्य श्री समयसागर जी महाराज

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चतुर्दिक मुनिसंघ का नेतृत्व समयसागर जी महाराज के हाथ

वेदचन्द जैन, गौरेला

कुण्डलपुर दमोह (म.प्र.), 16 अप्रैल। श्रमण श्रेष्ठ संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के चतुर्दिक मुनिसंघ के आचार्य पद पर श्रमण परंपरा रीति नीति के अनुसार आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के ज्येष्ठ शिष्य निर्यापक मुनि श्री समय सागर महाराज को देश विदेश के हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में पदारूढ़ किया गया। भव्यातिभव्य समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संघ चालक मोहन भागवत थे। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित राज्यसभा सांसद नवीन जैन आगरा व अनेक विधायक उपस्थित थे। समारोह में अनेक पुस्तकों का विमोचन किया गया। समारोह के आरंभ में जैन धर्म ध्वजा का आरोहण आर के ग्रुप परिवार के अशोक पाटनी और परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा किया गया। नवोदित आचार्य श्री समय सागर महाराज ने पदारोहण के उपरांत अपने प्रथम संबोधन में अपनी विनय पूर्ण शैली में स्पष्ट किया कि ये चतुर्दिक संघ मेरा नहीं, परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज का था, है, और रहेगा। मैं तो संघस्थ साधक हूं। आचार्य गुरुदेव की परंपरा को सीमित शक्ति सामर्थ्य के माध्यम से हम सब आगे बढ़ायेंगे। हम तो शक्तिहीन हैं जो भी सामर्थ्य हैं वो गुरुदेव प्रदत्त है। गुरुजी ने ही हमें बताया कि उचित दिशा और निर्धारित पथ पर यदि चींटी की चाल से भी चलते रहोगे तो लक्ष्य मिल जायेगा। हमें

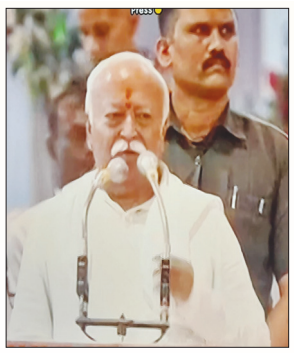

उनके प्रकाश में ही चलते रहना है।

निर्यापक मुनि श्री योगसागर महाराज जी ने आचार्य महाराज की समाधि के समय को बताते हुये कहा कि गत आठ फरवरी को आचार्य महाराज ने दीर्घ प्रतिक्रमण किया और नौ फरवरी को दोपहर में हमें बताया कि मैं आचार्य पद के दायित्व से मुक्त हो चुका हूं, मुझे इस पद का कोई विकल्प नहीं मैं पूर्णतया मुक्त हूं, मेरी संकल्प पूर्वक सल्लेखना चल रही है। मेरी समाधि के उपरांत ये सार्वजनिक कर देना कि निर्यापक मुनि श्री समय सागर महाराज को संघ के आचार्य पद पर प्रतिष्ठित कर देना। निर्यापक संघ को विकसित, पल्लवित करें, शिक्षा, दीक्षा, धर्म का विस्तार करें। मेरा आशीर्वाद है। आपने आचार्य श्री विद्यासागर महाराज का संदेश सार्वजनिक करते हुये आपने कहा कि उनकी आज्ञा का पालन करना ही मेरा कर्तव्य है। कर्तव्यों का पालन करना धर्म है। पद न तो दिया जाता न लिया जाता ये तो प्राप्त होता है।

पूज्य निर्यापक मुनि श्री सुधासागर जी महाराज ने विरुदावली और परंपरा से अवगत कराते हुये बताया कि आचार्य ज्ञानसागर महाराज ने 22.11.1972 को विद्यासागर महाराज को आचार्य पद देकर श्रमण परंपरा को आगे बढ़ाया। सुधासागर महाराज जी ने कहा कि ये हम जैसों का सौभाग्य था कि उन्हें आचार्य पद प्राप्त हुआ, इससे हमारा उद्धार हो सके। युवा मुनियों की श्रृंखला आचार्य महाराज की देन है। आचार्य पद आरोहण परंपरा का अंश है हम नवोदित जिन शासन आचार्य के निर्देशों का पालन करते रहेगें।

निर्यापक मुनि श्री समतासागर महाराज ने कहा कि अंतिम समय में आचार्य महाराज काया से अस्वस्थ और दुर्बल थे मगर मन से स्वस्थ और सशक्त थे। संघ पहले भी एकजुट था,आगे भी रहेगा। अभिनव आचार्य समयसागर जी के निर्देश में पूरा संघ चलता रहेगा।

निर्यापक मुनि अभयसागर महाराज ने बताया कि 131 मुनिदीक्षा, 172 आर्यिका दीक्षा सहित 508 भव्य जीवों को मोक्षपथ पर अग्रसर किया। ये एक दुर्लभ संयोग है कि आचार्य महाराज के प्रथम शिष्य गृहस्थ के लघुभ्राता और अंतिम शिष्य गृहस्थ अवस्था के अग्रज हैं। पहले मुनि समयसागर जी और अंतिम एक सौ इकतीसवें मुनि उत्कृष्ट सागर जी।

आचार्य पद पदारोहण समारोह का संचालन वरिष्ठ मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने किया। समारोह को संबोधित करते हुये मुख्य अतिथि आर एस एस के सर संघचालक मोहन भागवत ने आचार्य श्री विद्यासागर महाराज सरल शब्दों में भारत के विकास की राह बता देते थे। अध्यात्म का प्रणेता ही भारत की आत्मा को पहचानता है। आचार्य महाराज भारत की आत्मा और संस्कृति को जानते थे। सत्य के बल पर उन्होंने ने स्वयं को भारत से एकाकार कर लिया था। जो एकाकार हो जाता है उसके लिये कोई पराया नहीं होता। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने भी आचार्य श्री के प्रति अपनी विनय प्रगट की। आर. के. मारवल के संचालक श्रावक श्रेष्ठी श्री अशोक पाटनी ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज दिव्य पुरुष थे। चतुर्थकालीन चर्या करते हुये अनेक जीवों को मोक्षमार्ग पर अग्रसर किया। मंगलाचरण सुषमा दीदी, नीरज दीदी ने किया।

ज्येष्ठ निर्यापक मुनि श्री नियमसागर के मंत्रोच्चार के साथ आचार्य श्री के मुनिसंघ और निर्यापक श्रमणों ने लाखों श्रावकों के हर्षोन्नाद के साथ नवोदित आचार्य श्री समयसागर जी महाराज को आचार्य पद पर पदारूढ़ कराते हुये नवीन आसन पर विराजमान किया। इसके साथ ही आज यह की तिथि जैन इतिहास और परंपरा में स्वर्णांकित हो गई।

WONDERFUL 12 Nights / 13 Days
EUROPE
24 APRIL, 2 JUNE, 16 JUNE, 20 SEP
यूरोप जैन मंदिर के दर्शन
FRANCE, PARIS, ITALY
AUSTRIA, AMSTERDAM
GERMANY, SWITZERLAND
100% Pure Vegetarian Jain Food
VAYUDOOT WORLD TRAVELS PVT. LTD.
Mob : +91 9313338256, 9810408256, 9818312056
Email : vayudoottravels@gmail.com • Website: www.vayudoottravels.in

निर्मल - पुष्पा बिन्दायका
बगरू निवासी कोलकाता प्रवासी
EVER GREEN be positive get positive
Evergreen Hosiery Industries Pvt. Ltd.
Corp. Regd. Office : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor
Opp. : Moonlight Cinema, Kolkata - 700 073 (W.B.)
Mobile : 033 4001 0686, 91633 91228, 80131 20773
Email : evergreenhosieryindustries@yahoo.com
Website : www.evergreenhosieryindustries.com
Hello Bebe
LITTLE POPS KIDS WEAR
Young India Fashions
Corp. Off. : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor, Opp. : Moonlight Cinema
Kolkata - 700 073 (W.B.) Mob. : 98300 05085, 98302 75490
Factory : Regent Garments & Apparel Park, Block - 23, 5th Floor, Jessore Road
Near Fortune Township, Dist. - 24 Parganas (N) - 743294, Mob. : 98311 31838
MAHAVEER SAREE
Address : 446, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 75750 41434
EVERGREEN CREATION
Address : 369, Abhishek Textile Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 97279 82406, 98280 18707

जैन बैंकर्स फोरम का समाज जागरूकता का एक प्रयास

साइबर क्राइम से बचने के उपायों की जानकारी के कार्यक्रम में हजारों ने की सहभागिता

समाज के प्रोफेशनल्स की बुद्धिमता का समाज हित में हो उपयोग : आचार्य सुनील सागर जी

पुनीत जैन

जयपुर। जैन बैंकर्स फोरम जयपुर द्वारा सामाजिक दायित्व के निर्वहन की कड़ी में वैशाली नगर जयपुर में चल रहे पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर साइबर अपराधों से बचने के उपायों पर आचार्य सुनीलसागरजी के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें हजारों की संख्या में समाज के पुरुष व महिलाओं की सहभागिता रही। एस बी आई की रुचि बियानी एवं आईसीआईसीआई बैंक के सौरभ जैन एवं मनीष कुमार द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी के तरीके एवं इनसे बचाव के उपाय पर विस्तार से समझाया। एलईडी स्क्रीन पर पीपीटी के माध्यम से चर्चा में बताया कि प्रतिदिन 30000 से अधिक साइट्स हैक होती हैं। फिशिंग, यूपीआई, क्यू आर कोड, लॉटरी, ओएलएक्स, रियल एस्टेट, कुरियर, ऑनलाइन अपॉइंटमेंट, एटीएम, ऑनलाइन बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि विषयों पर धोखाधड़ी होने के तरीके के साथ इनसे बचने के उपाय पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही बताया कि पासवर्ड किसी से भी शेयर नहीं करना एवं धोखाधड़ी होने या संभावना होने पर फोन नंबर 1930 पर तुरंत शिकायत दर्ज करवाने हेतु सचेत किया।

आचार्य श्री ने आशीर्वचन में आचार्य ज्ञान सागर जी को याद करते हुए कहा कि अधिवक्ता, बैंकर्स, सनदि लेखाकार, डॉक्टर, इंजीनियर्स, शिक्षविदों आदि बौद्धिक श्रेणी के संगठन की समाज को बहुत आवश्यकता है। ऐसे लोगों की बुद्धिमत्ता का समाज एवं देश हित में उपयोग होना चाहिए। इधर जैन बैंकर्स के सदस्यों तथा लता गोयल, मनीष सक्सेना, गिरीश खंडेलवाल, आशुतोष घाटिया का व्यवस्था व संचालन में सहयोग रहा। इंजीनियर्स सोसायटी के अध्यक्ष प्रेमचंद छाबड़ा दौसा वाले एवं अशोक कुमार जैन पूर्व महाप्रबंधक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की गरिमामय उपस्थिति रही।

आचार्य भरत सागर जी एवं आचार्य नवीन नंदी गुरुदेव का मनाया जन्मोत्सव हर्षोल्लास से

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

परम पूज्य आचार्य श्री नवीननंदी जी मुनिराज के पावन सानिध्य में 17 अप्रैल 2024 को आचार्य श्री भरत सागर जी गुरुवर की 76 वीं एवं दहमीं कलां, बगरू में विराजमान आचार्यश्री नवीन नंदी जी महाराज जी की 46वीं जन्म जयंती दहमीं कलां बगरू में हर्षोल्लास से मनाई गई।

कार्यक्रम में प्रातः पंचामृत अभिषेक, शांति धारा, गुरुदेव के पाद प्रक्षालन, आरती आदि का आयोजन हुआ। इस शुभ अवसर पर प्रातः 7 प्राचीन ऋषभदेव जिनबिम्ब का अभिषेक तथा शांतिधारा से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में जिनबिम्ब का पंचामृत अभिषेक गुलाब पुष्प, जल, फूलों, दुग्ध, दही केसर से किया गया। बाद में भक्तों ने केसर और गुलाब जल से आचार्य नवीन नंदी जी महाराज का पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सायंकाल दीपोत्सव एवं आचार्य श्री की आरती, णमोकार मंत्र जाप, भजन संध्या का आयोजन ग्रामवासियों द्वारा किया। कार्यक्रम का आयोजन दहमीं कलां में हुआ। उक्त कार्यक्रम में बगरू से कुलदीप चैधरी, महावीर पाटनी, रमेश ठोलीया, रूप चंद जैन, संजीव जैन, सुनील जैन, रवि काला, मनोज पाटनी, सुशील पाटनी, विमल जी फुलेरा, जयपुर से प्रदीप पाटनी, प्रमोद बाकलीवाल, सुनील जैन, गौरव जैन, प्रशांत बाकलीवाल उपस्थित थे।

राजस्थान प्रांत की शाखा को मिला सर्वश्रेष्ठ शाखा का सम्मान

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

जयपुर। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान का सातवां राष्ट्रीय अधिवेशन देहरा तिजारा के प्रांगण में परम पूज्य आचार्य श्री वसुनंदी महामुनिराज ससंघ के पावन सानिध्य में 15 अप्रैल 2024 को पूरे देश से पधारे करीब सात सौ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में राजस्थान प्रान्त की शाखा को सर्वश्रेष्ठ शाखा घोषित किया गया। कार्यक्रम में आचार्य श्री ने कहा कि काम करने वाले का सम्मान करना प्रोत्साहन व प्रेरणा का कार्य करता है। आचार्य श्री ने उत्कृष्ट कार्य करने हेतु चयनित शाखाओं के नाम की घोषणा की जिसमें राजस्थान की प्रांतीय शाखा को संस्थान की राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ शाखा चुना गया। प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला जयपुर के नेतृत्व में समाज हित में महत्वपूर्ण कार्य संपन्न करने पर वसुनंदी महाराज के जयकारों व करतल ध्वनि के बीच पदम बिलाला का राष्ट्रीय कार्यकारिणी व तिजारा कमेटी द्वारा ऐतिहासिक सम्मान किया गया, जिसके बाद उन्होंने सभी पदाधिकारियों के साथ पूरे संघ से आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य श्री द्वारा महिला वर्ग शाखा में प्रथम-उत्तम नगर दिल्ली, द्वितीय-ग्रीन पार्क दिल्ली तथा तृतीय-जनुथर जिला डीग व पुरुष वर्ग में प्रथम-अलवर, द्वितीय-मेरठ तथा तृतीय-सलुम्बर को चयनित किया गया।

एम्बीशन किड्स में ब्लड डोनेशन एवं मेडिकल कैम्प का हुआ आयोज़न

संवाददाता

जयपुर। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर, एम्बीशन किड्स ऐकेडमी व सेवा भारती समिति के संयुक्त तत्वावधान में श्योपुर रोड स्थित एम्बीशन किड्स परिसर में ब्लड डोनेशन एवं मेडिकल हेल्थ चेकअप कैम्प लगाया गया। इस शिविर का उद्घाटन प्रसिद्ध समाजसेवी एवं व्यवसायी श्री संजय- सोनू छाबड़ा तथा जैन सोशल ग्रुप सन्मति के अध्यक्ष एवं शाबाश इंडिया के प्रधान सम्पादक श्री राकेश गोदीका द्वारा संयुक्त रूप से माँ सरस्वती एवं प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया।

समारोह के विशिष्ट अतिथि समाजसेवी एवं व्यवसायी श्री कैलाश-कैलाशी देवी छाबडा रानीपुरा द्वारा फीता काट कर विधिवत रूप से शिविर को शुभारम्भ किया। इस शिविर में लगभग 300 मरीजों ने लाभ उठाया तथा 30 यूनिट ब्लड एकत्रित हुआ।कार्यक्रम में अतिरिक्त समय देने के बावजूद कुछ लोग ब्लड देने से वंचित रह गये। कार्यक्रम में इससे पूर्व तीर्थंकर ग्रुप के अध्यक्ष डां. एम. एल. जैन ''मणि'', डा. शान्ति जैन ''मणि'', सचिव श्री सुरेश गंगवाल द्वारा अतिथियों को माला, साफा और शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। एम्बीशन किड्स एकेडमी के अभिभावकों, टीचिंग तथा नोन टीचिंग स्टाफ सदस्यों व उनके परिवारजन ने भी इस शिविर में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। इससे पूर्व शिविर का अवलोकन नगर निगम ग्रेटर सदस्य व भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री चेतन जैन निमोडिया, दि. जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के अध्यक्ष श्री राजेश बड़जात्या, फेडरेशन महामत्री श्री निर्मल संघी, फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री यशकमल अजमेरा, जैन बैंकर्स फोरम के अध्यक्ष श्री भागचन्द मित्रपुरा, कमल किशोर जैन एवं अतुल छाबड़ा ने किया एवं आयोजकों की इस पुण्य कार्य के लिए भूरी भूरी प्रशंसा एवं सराहना की गई।

कार्यक्रम के अंत में एंबीशन किड्स एकेडमी के डायरेक्टर डॉ. मनीष जैन और प्राचार्या डॉ. अलका जैन ने सभी को इस आयोजन में सहयोग देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

मोक्ष कल्याण का निर्वाण लाडू अर्पित

फागी संवाददाता

जयपुर, 13 अप्रैल 2024। श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर में श्री दिगंबर जैन समाज समिति वरुण पथ मानसरोवर द्वारा श्री 1008 भगवान अजीत नाथ जी के मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर निर्वाण लाडू अर्पित किया गया। इस अवसर पर तीनों वेदियों पर विराजमान भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा करने के पश्चात भगवान चंद्रप्रभु जी के मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर निर्वाण लाडू पूर्ण विधि विधान एवं मंत्रोच्चार से अर्पित किया गया।

दो स्वर्ण पदक जीतकर जैन समाज को किया गौरवान्वित

फागी संवाददाता

जयपुर। बंगाल योग एसोसिएशन कोलकाता में आयोजित सीनियर नेशनल योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2023-24 में श्री महावीर कॉलेज, जयपुर के बीबीए द्वितीय के होनहार छात्र सार्थक शाह सुपुत्र श्री संदीप शाह राजू ग्राफिक आर्ट ने अपने कोच मनोज जैन मुकीम एवं अभिनव जोशी के निर्देशन में दो स्वर्ण पदक जीतकर कॉलेज एवं जैन समाज का नाम गौरवान्वित किया है। सार्थक शाह इससे पहले भी सात पदक जीतकर परिवार सहित समाज का नाम रोशन कर चुका है। सफलता पर श्री महावीर शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष उमरावमल संघी, मानद मंत्री श्री सुनील बख्शी, कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर आशीष गुप्ता ने बधाई एवं शुभकामनाएं देकर होंसला अफजाई करते हुए भविष्य की मंगलमय शुभकामनाएं प्रेषित कर धन्यवाद दिया। सार्थक शाह को श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया, तीर्थ संरक्षिणी महासभा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष धर्मचंद पहाड़िया, श्री दिगंबर जैन मुनि संघ प्रबंध समिति राजस्थान के अध्यक्ष देव प्रकाश खण्डाका, राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष जैन, मुनि भक्त अनिल कुमार जैन बनेठा वाले, छोटा गिरनार बापू गांव के अध्यक्ष प्रकाश बाकलीवाल, धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रांत के अध्यक्ष पदम बिलाला, महामंत्री सुनील पहाड़िया आदि ने बधाई दी है।

आचार्य भद्रबाहू सागर जी महाराज की अनमोल वाणी

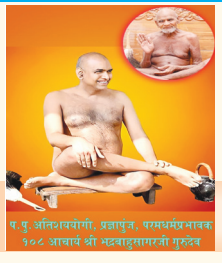

परम पूज्य 108 प्रज्ञापुंज धर्म प्रभावक अतिशय योगी आचार्य श्री भद्रबाहूसागरजी महाराज

चाहे कोई व्यक्ति कितना भी बुरा हो, उसमें कोई न कोई गुण अवश्य होता है

-: नमनकर्ता :-

दीपचन्द गंगवाल, बाराबंकी
श्रीमती नीता जैन, बाराबंकी
श्रीमती अनिता जैन, बाराबंकी
श्रीमती आशु जैन, बाराबंकी
मुदित जैन, प्रयागराज
दिलीप जैन, प्रयागराज ...

महेश जैन, बोदेगांव (महा.)
राकेश जैन, परभनी (महा.)
तुषार मनोज कुमार चौबाकर, परभनी महा.
प्रकाशचन्द्र साउजी, अम्बड़ (महा.)
दिलीप दोषी, मुम्बई (महा.)
सुनिल हीराचन्द दोषी, अकलूज (महा.)

परमपूज्य 108 प्रज्ञापुंज धर्म प्रभावक अतिशययोगी आचार्य श्री भद्रबाहूसागरजी महाराज जी के चरणों में शत शत वन्दन

संकलन: R. K. Advertising शेखर पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता जैन गजट
मो - 09667168267 email: rkpatni777@gmail.com

आपकी आत्मा से परे कोई भी शत्रु नहीं है, आपके भीतर ही असली शत्रु रहते हैं, वो हैं क्रोध, लालच, घमंड, नफरत और आसक्ति-भगवान महावीर

सत्य, अहिंसा, विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य,

वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की

चैत्र शुक्ला तेरस दिनांक 21 अप्रैल, 2024 को

2623वीं जन्म जयंती पर शत शत नमन, वंदन

हिंसा पीड़ित राष्ट्र राह महावीर की तकता है।
वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है।।

देवाधिदेव भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक पर हार्दिक शुभकामनायें

-: नमनकर्ता/शुभाकांक्षी :-

गजराज जैन गंगवाल
राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय
दिगम्बर जैन महासभा
नई दिल्ली

हेमचंद जैन
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सयोजक
(श्री गोपाल दिग. जैन सिद्धान्त
संस्कृत महाविद्यालय, मुरैना)
रिषभ विहार, दिल्ली
मो. 9810015678

आनंद कुमार
रत्नप्रभा सेठी
सिगनेचर स्टेट, 9 फ्लोर,
अपोजिट-डी.जी.पी. ऑफिस,
बी. के. काकोसी रोड, गुवाहाटी
मोबा. 9435012070

अनिल कुमार जैन
केन्द्रीय प्रबंधकारिणी सदस्य
श्री भारतवर्षीय दिग. जैन महासभा
प्रथम तल, 193 तीर्थ प्लाजा,
शापिंग सेण्टर, कोटा
मोबा. 9214330220

संजीव जैन
जैन प्लास्टिक, 369-ए,
मोतीनगर,
ऐशबाग, लखनऊ
मोबा. 9415017824

रोहित जैन
चेन्नई
मोबाइल 9445561800

भगवान महावीर स्वामी ने कहा

➪ जंगल के मध्य में एक व्यक्ति जलते हुए एक ऊंचे वृक्ष पर बैठा है। वह हर किसी को मरते हुए देखता है। लेकिन उसे यह नहीं पता कि जल्द ही उसका भी यही हस्र होगा। वह आदमी मूर्ख है।

➪ जिस तरह हम दुख को पसंद नहीं करते ठीक उसी तरह लोग भी दुख को पसंद नहीं करते। यही सोचकर आपको किसी को भी वो नहीं करना चाहिए जो आप खुद के साथ नहीं होने देना चाहते हो।

।। स्याद्वाद धर्म प्रवर्धक श्री पार्श्वनाथाय नमः।।

भगवान महावीर स्वामी के 2623वें जन्म कल्याणक पर त्रिलोकतीर्थ स्याद्वाद परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं

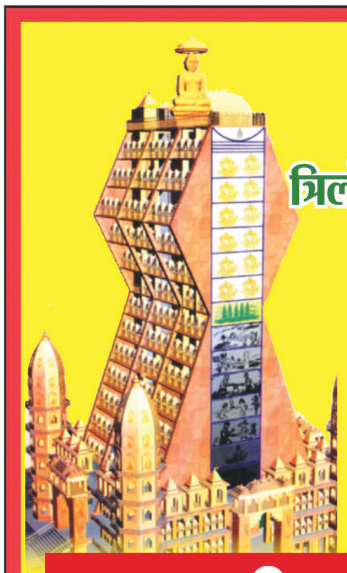

धरणेन्द्र विराजित पार्श्वनाथ भगवान

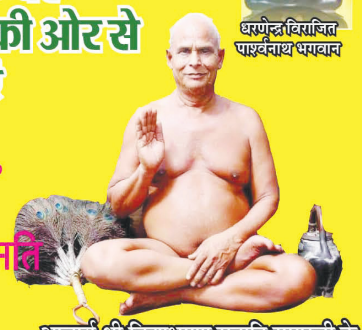

आचार्य श्री विद्याभूषण सन्मति सागरजी के चरणों में कोटि-कोटि नमन!

राष्ट्रऋषि, सिंहरथ प्रवर्तक,
त्रिलोकतीर्थ प्रणेता
आचार्य श्री विद्याभूषण सन्मति
सागर जी महाराज की
आशीष एवं अनुकम्पा से

विश्व में जैन धर्म की प्रथमकृति
त्रिलोकतीर्थ-धाम में निर्माणाधीन त्रसनालि में
प्रतिमा देकर पुण्यार्जन करके सौभाग्य प्राप्त करें।

स्थान : श्री दिगम्बर जैन त्रिलोकतीर्थ-धाम अतिशय क्षेत्र, बड़ागांव (बागपत) उ.प्र.
सम्पर्क : त्रिलोकचन्द जैन 9012213920

MAHALAXMI CREATIONS 3_3

SHAH Agrogreen Grow with green

देवाधिदेव श्री 1008 भगवान महावीर स्वामी
जन्म कल्याणक के पावन पर्व पर
आप सभी को हार्दिक शुभकामनाऐं

SHAH AGROGREEN PVT. LTD.
ANNU AGROTECH PVT. LTD.
Cold Storage, Warehousing, Logistics, Grading & Colour Sorting of Agriculture Commodities

Corporate Off.:252, Shopping Centre, Kota-7 Ph: 0744-2360876 email: jaindharmc@yahoo.co.in
COLD STORE : CS-01, Krishi Upaj Mandi, Baran (Raj.) Mob.: 77270-10440, 77270-10439
Factory : F-15 to 18, Agro Food Park, RIICO Industrial Area, Ranpur, Kota, Mob. : 9352537583, 9829037583

सी ए धर्मचंद जैन श्रीमती श्वेता जैन
ई-814 इंद्र विहार, कोटा (राज.) 324005
मो. 9829037583

राजकीय अतिथि आचार्य श्री प्रमुख सागर जी महाराज के अनमोल सूत्र

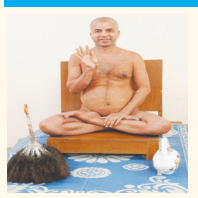

शत् शत् नमन वंदन

आज का मानव देहधारियों के प्रेम में मतवाला हो चुका है लेकिन एक परमात्मा के प्रेम में मतवाला होना यही बुद्धिमता है।

प्रभावना दिवाकर, श्रमण धर्म प्रभाकर, करूणा सागर, अहिंसा तीर्थ-प्रणेता, राष्ट्रसन्त, पंजाब श्रावक उद्धारक, सरलमना, ग्राम मन्दिर उद्धारक, इटावा गौरव, संस्कार प्रणेता, गुण-गौरव शिरोमणि, पुरूषार्थ के पुरूषोत्तम, श्रमण-गौरव, राजकीय अतिथि, राष्ट्रसन्त, बालयोगी के चरणों में शत-शत नमन

-: नमनकर्ता :-

श्रीमती प्रभा सेठी, गुवाहाटी
श्रीमती रिंकी सेठी, विजयनगर
श्रीमती सोनल पाटनी, कोलकाता
श्रीमती शिम्पल सेठी, आठगांव, गुवाहाटी
श्रीमती चन्द्रा बड़जात्या, गुवाहाटी
श्रीमती रूपा रारा, गुवाहाटी
सुभाष चूड़ीवाल, दिसपुर, गुवाहाटी
राजकुमार टोंग्या, रेहाबाड़ी, गुवाहाटी
विनोद कुमार गंगवाल, छत्रीबाड़ी, गुवाहाटी
पूर्वोत्तर प्रदेशीय दिगम्बर जैन महिला संगठन, गुवाहाटी
श्रीमती हेमा पाटनी, पान बाजार, गुवाहाटी
श्रीमती कुसुम बड़जात्या, गुवाहाटी

राजकीय अतिथि आचार्य श्री प्रमुख सागर जी महाराज दिसपुर में विराजमान हैं।

संकलन: R. K. Advertising शेखर पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता जैन गजट
मो - 09667168267 email: rkpatni777@gmail.com

सम्पादकीय

भगवान महावीर जन्म कल्याणक पर विशेष आलेख

भगवान महावीर के सिद्धांत बदल देंगे जिंदगी

जैन परम्परा में 24 तीर्थंकर हुए हैं। वर्तमान कालीन चौबीस तीर्थंकरों की श्रृंखला में प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव और 24वें एवं अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी है। भगवान महावीर के जन्म कल्याणक को देश-विदेश में बड़े ही उत्साह के साथ पूरी आस्था के साथ मनाया जाता है। भगवान महावीर को वर्द्धमान, सन्मति, वीर, अतिवीर के नाम से भी जाना जाता है। ईसा से 599 पूर्व वैशाली गणराज्य के कुण्डलपुर में राजा सिद्धार्थ एवं माता त्रिशला की एक मात्र सन्तान के रूप में चैत्र शुक्ला त्रयोदशी को आपका जन्म हुआ था। महावीर स्वामी ने मानव जीवन के कल्याण के लिए 5 सिद्धांत बताए थे। महावीर स्वामी का मानना था कि इन 5 सिद्धांतों को जिसने समझ लिया वो जीवन के वास्तविक उद्देश्य को समझ जाएगा और उसका बेड़ा हर हाल में पार हो जाएगा।

वे पांच सिद्धांत इस प्रकार हैं .

1. अहिंसा: भगवान महावीर ने अहिंसा की जितनी सूक्ष्म व्याख्या की है, वैसी अन्यत्र दुर्लभ है। उन्होंने मानव को मानव के प्रति ही प्रेम और मित्रता से रहने का संदेश नहीं दिया अपितु मिट्टी, पानी, अग्नि, वायु, वनस्पति से लेकर कीड़े-मकोड़े, पशु-पक्षी आदि के प्रति भी मित्रता और अहिंसक विचार के साथ रहने का उपदेश दिया है। उनकी इस शिक्षा में पर्यावरण के साथ बने रहने की सीख भी है। महावीर अहिंसा के समर्थक थे। उनका कहना था कि इस लोक में जितने भी एक, दो, तीन, चार और पांच इंद्रियों वाले जीव हैंए उनकी हिंसा न करो, उनके पथ पर उन्हें जाने से न रोको, उनके प्रति अपने मन में दया का भाव रखो और उनकी रक्षा करो।

द्वेष और शत्रुता, लड़ाई-झगडे और सिद्धांतहीन शोषण के संघर्षरत विश्व में जैन धर्म का अहिंसा का उपदेश न केवल मनुष्य के लिए बल्कि जीवन के सभी रूपों के लिए एक विशेष महत्व रखता है। इसमें करूणा, सहानूभूति, दान, विश्वबंधुत्व और सर्वक्षमा समाविष्ट हैं। अनेकांत और उसका मर्म अहिंसा प्रतिकूल चिंतन और विचार जागृत होने पर सहिष्णु बने रहने का उपदेश देता है। भगवान महावीर के मुख्य सिद्धांतों में अहिंसा उनका मूलमंत्र था यानी ष्अहिंसा परमो धर्मष क्योंकि अहिंसा ही एकमात्र ऐसा शस्त्र है जिससे बड़े से बड़ा शत्रु भी अस्त्र.शस्त्र का त्याग अपनी शत्रुता समाप्त कर आपसी भाईचारे के साथ पेश आ सकता है।

अहिंसा का सीधा-साधा अर्थ करें तो वह होगा कि व्यावहारिक जीवन में हम किसी को कष्ट नहीं पहुंचाएं, किसी प्राणी को अपने स्वार्थ के लिए दुःख न दें। ''आत्मानः प्रतिकूलानि परेषाम न समाचरेत'' इस भावना के अनुसार दूसरे व्यक्तियों से ऐसा व्यवहार करें जैसा कि हम उनसे अपने लिए अपेक्षा करते हैं। इतना ही नहीं सभी जीव-जन्तुओं के प्रति अर्थात पूरे प्राणी मात्र के प्रति अहिंसा की भावना रखकर किसी प्राणी की अपने स्वार्थ व जीभ के स्वाद आदि के लिए हत्या न तो करें और न ही करवाएं और हत्या से उत्पन्न वस्तुओं का भी उपभोग नहीं करें।

भगवान महावीर अहिंसा की अत्यंत सूक्ष्मता में गए है। आज तो विज्ञान ने भी सिद्ध कर दिया है कि वनस्पति सजीव है, पर महावीर ने आज से ढाई हजार वर्ष पूर्व ही कह दिया था कि वनस्पति भी सचेतन है, वह भी मनुष्य की भांति सुख-दुख का अनुभव करती है। उसे भी पीड़ा होती है। महावीर ने कहा, पूर्ण अहिंसा व्रतधारी व्यक्ति अकारण सजीव वनस्पति का भी स्पर्श नहीं करता। महावीर के अनुसार परम अहिंसक वह होता है जो संसार के सब जीवों के साथ तादात्म्य स्थापित कर लेता है, जो सब जीवों को अपने समान समझता है। ऐसा आचरण करने वाला ही महावीर की परिभाषा में अहिंसक है। उनकी अहिंसा की परिभाषा में सिर्फ जीव हत्या ही हिंसा नहीं है, किसी के प्रति बुरा सोचना भी हिंसा है। बाह्य हिंसा की अपेक्षा यदि मानसिक हिंसा दूर हो जाय तो अहिंसक क्रांति का मार्ग आसानी से प्रशस्त हो सकता है। सभी धर्मों के प्रति सम्मान की भावना ही आधुनिक युग की सच्ची अहिंसा है।

2. सत्य: महावीर स्वामी का कहना था कि सत्य ही सच्चा तत्व है। जो बुद्धिमान व्यक्ति जीवन में सत्य का पालन करता हैए वो मृत्यु को तैरकर पार कर जाता है। किसी वस्तु विचार के सभी पक्षों को जानना एवं एक साथ उनको व्यक्त करना असंभव है। अतः हमें अपने विचार एवं पक्ष पर ही आग्रहशील न होकर दूसरे के विचार एवं पक्ष को भी धैर्यपूर्वक सुनना चाहिये। संभव है कि किसी अन्य दृष्टि से दूसरे के विचार भी सत्य हो, इससे सद्भाव स्थापित होता है एवं मतभेद कम होते है। भारतीय समाज को आज इस सद्भाव की विशेष आवश्यकता है यही अनेकान्तवादी दृष्टिकोण है।

भगवान महावीर का ये सिद्धांत हर स्थिति में सत्य पर कायम रहने की प्रेरणा देता है। किसी को भी इसे अपनाकर सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए, यानी अपने मन और बुद्धि को इस तरह अनुशासित और संयमित करना ताकि हर स्थिति में सही का चुनाव (satya) कर सकें।

3. अचौर्य (अस्तेय): अचौर्य सिद्धांत का अर्थ ये होता है कि केवल दूसरों की वस्तुओं को चुराना नहीं है यानी कि इससे चोरी का अर्थ सिर्फ भौतिक वस्तुओं की चोरी ही नहीं हैए बल्कि यहां इसका अर्थ खराब नीयत से भी है। अगर आप दूसरों की सफलताओं से विचलित होते हैं तो भी ये इसके अंतर्गत आता है। किसी की बिना दी हुई वस्तु को ग्रहण करना चोरी है। समानान्तर बही खाते रखना, टैक्स चोरी करना, मिलावट करनाए,जमाखोरी करना,धोखेबाजी करना, कालाबाजारी करना, सभी चोरी के अन्तर्गत आते हैं। स्वस्थ, शान्तिप्रिय समाज व्यवस्था हेतु अचैर्य जरूरी है।

किसी के द्वारा न दी गई वस्तु को ग्रहण करना चोरी कहलाता है। महावीर का कहना था कि व्यक्ति को कभी चोरी नहीं करनी चाहिए।

4. ब्रह्मचर्य: महावीर स्वामी ब्रह्मचर्य को श्रेष्ठ तपस्या मानते थे। वे कहते थे कि ब्रह्मचर्य उत्तम तपस्या, नियम, ज्ञान, दर्शन, चारित्र, संयम और विनय की जड़ है। ब्रह्मचर्य विवाह संस्था भारतीय समाज का वैशिष्ट्य है। इस संस्था के कमजोर पड़ने पर पाश्चात्य समाज में आई विसंगतियाँ एवं छिन्न भिन्न होती समाज व्यवस्था सर्वविदित है। असंयमितए अतिभोगवादी जीवन शैली से जनित महामारी (AIDS) से आज सारा विश्व चिंतित है। महावीर ने साधुओं हेतु पूर्ण ब्रह्मचर्य तथा गृहस्थों हेतु पाणिग्रहीता पत्नीध्पतिके साथ संतोषपूर्वक गृहस्थ धर्म के पालन का उपदेश दिया। जो ब्रह्मचर्य का कड़ाई से पालन करते हैए वे मोक्ष मार्ग की ओर बढ़ते हैं।

5. अपरिग्रह: महावीर स्वामी का कहना था कि जो आदमी खुद सजीव या निर्जीव चीजों का संग्रह करता हैए दूसरों से ऐसा संग्रह कराता है या दूसरों को ऐसा संग्रह करने की सम्मति देता हैए उसको दुःखों से कभी छुटकारा नहीं मिल सकता। यदि जीवन का बेड़ा पार लगाना है तो सजीव या निर्जीव दोनों से आसक्ति नहीं रखनी होगी।

भगवान महावीर ने अपरिग्रह को विशेष महत्व दिया था। अपरिग्रह का अर्थ है, जीवन निर्वाह के लिए केवल अति आवश्यक वस्तुओं को ग्रहण करना। मानव.जाति अपनी निरन्तर बढ़ती जरूरतों के लिए प्रकृति का अंधाधुंध दोहन कर रही है। प्रकृति के साथ सम्यक व्यवहार की सीख हमें जैन परम्परा से मिलती है।

भगवान महावीर ने तो अहिंसा और अपरिग्रह का संदेश दिया था, लेकिन आजकल आदमी हिंसा पर उतारू है। ज्यादा परिग्रह करने लगा है। हिंसा पर आदमी उतारू ही इसलिए हो रहा है क्योंकि वह परिग्रह में जी रहा है। जहाँ परिग्रह होता है वहाँ पाँचों पाप होते हैं। परिग्रह के लिए आदमी चोरी करता है, झूठ बोलता है, हत्या करता है, व्यसनों का सेवन करता है। जब तक दुनिया भगवान महावीर के अपरिग्रह को नहीं जानेगी, किसी भी समस्या का समाधान नहीं होगा।

परम अहिंसक वह होता है जो अपरिग्रही बन जाता है। हिंसा का मूल है परिग्रह। परिग्रह के लिए हिंसा होती है। आज पूरे विश्व में परिग्रह ही समस्या की जड़ है। भगवान महावीर ने दुनिया को अपरिग्रह का संदेश दिया, वे स्वयं अकिंचन बने। उन्होंने घर, परिवार राज्य, वैभव सब कुछ छोड़ा, यहां तक कि वे निर्वस्त्र बने। अपरिग्रह न्यायपूर्वक उपार्जित धन से अपने परिवार की सीमित आवश्यकताओं की पूर्ति के उपरान्त शेष राशि का राष्ट्र एवं समाज हित में उपयोग करनाए उस धन का स्वयं को स्वामी नहीं अपितु संरक्षक मानना ही अपरिग्रह है।

भगवान महावीर ने 'अहिंसा परमो धर्मः का शंखनाद कर 'आत्मवत सर्व भूतेषु' की भावना को देश और दुनिया में जाग्रत किया। जियो और जीने दो अर्थात सह-अस्तित्व, अहिंसा एवं अनेकांत का नारा देने वाले महावीर स्वामी के सिद्धांत विश्व की अशांति दूर कर शांति कायम करने में समर्थ है।

भगवान महावीर के विचार किसी एक वर्गए,जाति या सम्प्रदाय के लिए नहीं, बल्कि प्राणीमात्र के लिए हैं। भगवान महावीर की वाणी को गहराई से समझने का प्रयास करें तो इस युग का प्रत्येक प्राणी सुख एवं शांति से जी सकता है। भगवान महावीर का मार्ग आज के युग की समस्त समस्याओं,मूल्यों की पुनः स्थापना, जीवन में नैतिकता का समावेशए भोगवादिता, संग्रह तथा हिंसा से बचने के लिए सही रास्ता है। महावीर का संदेश आज राजनैतिक, धार्मिक, सामाजिक सभी क्षेत्रों में उपयोगी है। भगवान महावीर आदर्श पुरूष थे। उन्होंने मानवता को एक नई दिशा दी है। उनके बताये हुये अहिंसा, सत्य आदि मार्गों पर चलकर विश्व में शांति हो सकती है।

महावीर के उपदेशों में एक संपूर्ण जीवन दर्शन है। एक जीवन पद्धति है। आज की समाज को इस जीवन पद्धति की कहीं ज्यादा जरूरत है। जरूरत है हम बदलें, हमारा स्वभाव बदले और हम हर क्षण महावीर बनने की तैयारी में जुटें तभी महावीर जयंती मनाना सार्थक होगा। 2550वें निर्वाणोत्सव वर्ष पर भगवान महावीर स्वामी के सिद्धान्तों को जन-जन तक पहुचाएं, स्वयं आगे आएं दूसरों को भी प्रेरित करें।

. डॉ. सुनील जैन संचय
सह सम्पादक

श्रुत की सेवा से मिलती है मुक्ति की मेवा
अभिनंदनीय व्यक्तित्व डा. रेणु जैन सहारनपुर
भारत गौरव सम्मान से सम्मानित

श्रुत आराधिका'' की उपाधि से अलंकृत, श्रुत सेविका व सर्वश्रेष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता भी घोषित

पारस जैन ''पार्श्वमणि'', संवाददाता, कोटा

सहारनपुर (उत्तर प्रदेश)। ''जिनवाणी सुरक्षा एवं सज्जा अभियान'' की संस्थापिका डा. रेणु जैन (अध्यक्षा श्री दि. जैन महिला समाज, सहारनपुर उ. प्र.) ने जिनवाणी मां के प्रति भक्ति भावना से अभिभूत होकर देश व देशान्तर में सहारनपुर के एक दि. जिनालय से प्रारम्भ करके 25 जिनालयों तक तथा फिर U.S.A.,U.K., London व सिंगापुर सहित भारतवर्ष के 3191 दि. जैन जिनालयों, तीर्थक्षेत्र, अतिशय क्षेत्र एवं सिद्धक्षेत्रों की संयोजिका मनोनीत कर जिनवाणी मां के प्रति सेवा भावना सबके हृदय में जागृत करने का एक अविस्मरणीय कार्य किया। इसके लिए आपका जितना भी सम्मान किया जाए कम ही होगा, वो शब्दो में नहीं लिखा जा सकता। डा. रेणु जैन जी से हुई एक स्नेह भेंट में जैन गजट संवाददाता पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार को बताया कि उन्होंने प्रण किया है कि जब तक देश व देशान्तर के प्रत्येक दि. जिनालय की मां जिनवाणी सुरक्षित, सज्जित व व्यवस्थित नहीं होगी तब तक उनके इस पथ पर बढ़ते कदम रूकेंगे नहीं।

उन्हें ''London Book Of World Records'' द्वारा ''श्रुत आराधिका'' की उपाधि से तथा ''India Proud Book Of Records'' द्वारा ''भारत गौरव सम्मान'' एवं ''श्रुत सेविका'' व 'सर्वश्रेष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता' की उपाधि से तथा आर्यिकारत्न 105 पुनीत चैतन्यमति माता जी द्वारा ''श्राविकारत्न'' आदि की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

प्रतिवर्ष 'श्रुत पंचमी पर्व' पर वे 'अखिल भारतीय जिनवाणी सज्जा प्रतियोगिता' आयोजित कर सम्पूर्ण भारतवर्ष की विजेता संयोजिकाओं को अपनी 'भूषण स्वरूप मुकेश कुमार जैन चेरिटेबल ट्रस्ट मेरठ' के सौजन्य से शील्डें प्रेषित कर सम्मानित करती है। अपने पतिदेव श्री विनय कुमार जैन के अनुपम सहयोग से वे जिनवाणी सज्जा के हस्त निर्मित सामान के पैकिट बनाकर सभी तीर्थ क्षेत्रों व जिनालयों की संयोजिकाओं को भेंट स्वरूप प्रदानकर उत्साहित करती है। उनके द्वारा सम्पादित व प्रकाशित ''श्रुतधारा'' व ''सल्लेखना दर्शन'' को पढ़कर जन जन लाभान्वित हुआ। श्री दि. जैन महिला सल्लेखना सेवा मण्डल, सहारनपुर की संस्थापिका अध्यक्षा के रूप में एक मुख्य शाखा एवं 17 उपशाखाएं बनाकर तथा प्रत्येक उपशाखा की एक अध्यक्षा नियुक्त कर अन्तिम समय में जीव को सम्बोधित कर, त्याग कराकर, उसके भावो को धर्ममय बनाने का कार्य भी उनका अति सराहनीय है।

मै पारस जैन पार्श्वमणि भारतवर्ष के सम्पूर्ण जैन समाज से आत्मीय निवेदन करता हूँ कि जिनवाणी मां के प्रति सेवा भावना से ओतप्रोत मधुर भाषिणी डा. रेणु जैन जी के साथ जो दि. जैन जिनालय, तीर्थक्षेत्र, अतिशय व सिद्धक्षेत्र आदि अभी तक नहीं जुड़ पाये है वहाँ से सम्बन्धित बहने उनके मो. न. 7060164200 पर उनसे सम्पर्क करके, मां जिनवाणी के सेवा के परम पुनीत कार्य को अनन्त ऊँचाइयों को प्राप्त कराने में अपना सकल सक्रिय अतुलनीय अविस्मरणीय सहयोग प्रदान करते हुये महान पुण्यार्जन करें। इसी मंगलमय भावनाओं के साथ आपका अपना शुभेच्छु राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि, पत्रकार कोटा

अपनों से प्रतिस्पर्धा करने पर प्रेम, वात्सल्य और अपनत्व समाप्त हो जाता है

- आचार्य श्री निर्भय सागर जी

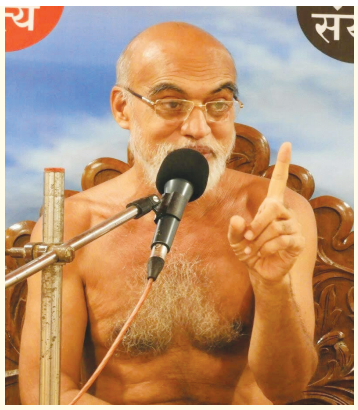

सागर। गदगदा पहाड़ी, बहेरिया तिगड्डा स्थित श्री तपोवन जैन तीर्थ, सागर में विराजमान आचार्यश्री निर्भयसागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि आत्मा का निर्विकल्प, निश्चिंत, निर्विकार होने पर खुद का खुद में संतुष्ट होना आत्मिक सुख है। मन और इंद्रियों को जिसमें संतुष्टि मिलती है उसे सांसारिक सुख कहते हैं। जब आलोचना सही दृष्टिकोण से समाधान के रूप में निष्पक्ष होकर की जाती है तब वही समालोचना कहलाती है। जब कोई महान व्यक्ति जवाब देने के समय मौन रहता है तब उस समय मौन से उसका जवाब दे देता है। गलत बोले गए शब्दों पर जिंदगी भर पश्चाताप तो होता ही है, लेकिन कभी-कभी सत्य बोलने पर भी जिंदगी भर पश्चाताप होता है। अपनों से प्रतिस्पर्धा करने पर प्रेम, वात्सल्य और अपनत्व समाप्त हो जाता है, इसलिए अपनों से प्रतिस्पर्धा नहीं करना चाहिए। कमजोर वही है जो अपनी कमजोरी को दूर नहीं करता है। वीर वही है जो अपनी कमजोरी को दूर करता है। मुसीबतों के सामने मुसीबत पैदा कर देना वीर होता है। मुसीबत को देखकर भाग जाने वाला कायर होता है इसलिए मुसीबत का सामना करना चाहिए उसे देखकर भागना नहीं चाहिए। मन, इन्द्रिय और ज्ञान को हमेशा संतुलित रखना चाहिए, जिससे वह हमारे कार्य में बाधक न बनकर, साधक बना रहे। खुद को मजबूर नहीं मजबूत बनाना चाहिए। खुद को सक्षम बनाने वाले प्रत्येक कार्य में सफलता हासिल कर लेते हैं। मजबूर व्यक्ति गुलाम बन जाता है। मजबूत व्यक्ति कभी किसी का गुलाम नहीं बनता है। यही सोच के साथ सही दिशा में उठाया गया कदम समय और भाग्य को भी सही बना देता है। जो बोलने से पहले शब्दों को तौल लेता है उसके शब्दों की कीमत बढ़ जाती है जो बिना सोचे समझे और बिना तोले ही शब्दों को बोलता है उसे शब्दों की कीमत चुकाना पड़ती है। हुक्म चलने से पहले हुकूमत प्राप्त कर लेना चाहिए। घर में पुरुष बलशाली होता है, स्त्री नहीं लेकिन जिस घर में स्त्री की जीत के लिए पुरुष स्वयं हार जाता है उस घर में सुख, शांति और समृद्धि अधिक होती है।

आत्म स्वभाव की अनुभूति करना ही निर्ग्रन्थ साधक का लक्ष्य है

- आचार्य विमर्श सागर जी

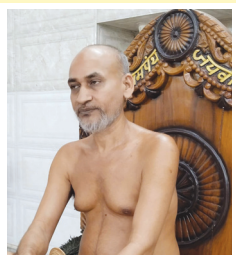

कामां (मनोज जैन नायक)। शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के प्रांगण में स्थित विजयमती स्वाध्याय भवन में भावलिंगी संत दिगम्बर जैन आचार्य विमर्श सागर महाराज ने कहा कि निर्ग्रन्थ वीतरागी मुद्रा को धारण बहिरंग के कारण नहीं करते हैं अपितु अंतरंग के कारण यह मुद्रा धारण की जाती है। आत्म स्वभाव की अनुभूति करने के लिए ही दिगंबर संत निर्ग्रन्थ वीतरागी मुद्रा को धारण करते हैं। वह जानते हैं कि आत्म स्वभाव की अनुमति में बाधक तत्व क्या है। इसे भेद विज्ञानी साधक अच्छी तरह समझते हैं। क्रोध, मान, माया, लोभ कषाय के परिणाम ही हमारे आत्म शुद्धि में बाधक हैं और इस अंतरंग तत्व की प्राप्ति हेतु अर्थात आत्म की शुद्धि हेतु वीतराग निर्ग्रन्थ मुद्रा को धारण किया जाता है। व्यक्ति, परिवार, रिश्ते, संबंध सबको अपना मानता रहता है और उनकी ही सार सभाल में ही लगा रहता है और यही उसकी आत्म शुद्धि के बाधक तत्व हैं जिसे निर्ग्रन्थ दिगम्बर साधक अच्छी तरह समझता है और अपनी आत्मा में लीन हो जाता है यही भावलिंगी होता है। आचार्य ने एक प्रश्न की भावलिंगी क्या होता है? का उत्तर देते हुए कहा कि शारीरिक 28 मूलगुण द्रव्य लिंग होते हैं जैसे निग्रन्थ बनना, परिग्रह रहित होना केशलोंच होना आदि अर्थात द्रव्य लिंग के आश्रय से निर्ग्रन्थ वीतरागी सन्त आत्म स्वभाव की अनुभूति करते हैं और यही भावलिंगी कहलाता है। अपने आत्म स्वभाव से परिचित होना अर्थात स्वयं की आत्मा का कल्याण करने में लीन हो जाना ही भावलिंगी कहलाता है। आचार्य ने समाज को समझाते हुए कहा कि किसी भी कार्य को करने का प्रयोजन उचित होना चाहिए। प्रयोजन बदलने से परिणाम बदल जाता है अतः प्रयोजन की औचित्यता अति आवश्यक है जिसका ध्यान समाज के सभी वर्गों को रखना चाहिए। संतों के आगमन पर समाज में संस्कृति का संरक्षण व जुड़ाव होता है और एक नई ऊर्जा का संचार भी होता है। एक सच्चा संत ही समाज को सही दिशा दिखाने में कारगर होता है। सभी श्रावकों को केवल तीन बातों पर ध्यान रखना चाहिए। सच्चे देव, सच्चे शास्त्र और सच्चे गुरु वही उसके जीवन का कल्याण कर सकते हैं।

मुनिश्री स्वात्मनंदीजी गुरुदेव का नागपुर में होगा चातुर्मास

रमेश, उदयपुर

नागपुर। वात्सल्य रत्नाकर मुनिश्री स्वात्मनंदीजी गुरुदेव के चातुर्मास के लिए सकल जैन समाज ने गुरुदेव को निवेदन किया। श्री सैतवाल जैन संगठन मंडल महावीर नगर के सभागृह में आयोजित धर्म सभा का आयोजन किया गया था। प्रमुख रूप से श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, श्री पार्श्वप्रभु दिगंबर जैन सैतवाल मंदिर, श्री दिगंबर जैन सेनगण जैन मंदिर इतवारी, श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन खंडेलवाल मंदिर जूनी शुक्रवारी, श्री चंद्रप्रभू दिगंबर जैन मंदिर बाहुबलीनगर, श्री आदिनाथ दिगंबर जैन सैतवाल मंदिर अंबा नगर, दिगंबर जैन समाज (पश्चिम) नागपुर, श्री पार्श्वप्रभु दिगंबर जैन मोठे मंदिर, जैन बघेरवाल समाज नंदनवन आदि संस्थाओं के पदाधिकारी सतीश जैन पेंढारी, चंद्रकांत वेखंडे, दिलीप राखे, राकेश पाटनी, राजेंद्र जैन बंड, अरविंद हनवंते, किशोर मेंढे, प्रवीण पेंढारी, अखिल दिगंबर जैन सैतवाल संस्था के राष्ट्रीय महामंत्री नितिन नखाते, श्री जैन सेवा मंडल के अध्यक्ष शरद मचाले, पुलक मंच परिवार के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मनोज बंड, श्री दिगंबर जैन युवक मंडल (सैतवाल) के अध्यक्ष प्रशांत भुसारी, महावीर युथ क्लब के सचिव प्रशांत मानेकर ने गुरुदेव का चातुर्मास नागपुर में हो इसलिए गुरुदेव से निवेदन किया। धर्मसभा का संचालन प्रकाश मारवडकर ने किया। अपने सम्बोधन में गुरूदेव ने कहा कि चातुर्मास तो होते रहते हैं लेकिन चातुर्मास का उद्देश्य भी सार्थक होना चाहिए। उन्होंने अपने नागपुर चातुर्मास के लिए सहर्ष स्वीकृति दी। मुनिश्री स्वात्मनंदीजी गुरुदेव श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर ग्रेट नाग रोग महावीरनगर में विराजमान हैं।

मुर्शिदाबाद जैन समाज का जिला मिलन समारोह एवं सम्मान समारोह

संजय कुमार बड़जात्या, संवाददाता

दिनांक 11अप्रैल 2024 को जंगीपुर पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद जिला दिगंबर जैन समाज का मिलन समारोह सम्पन्न हुआ। पहले ध्वजारोहण, श्री वीर प्रभु का चित्र अनावरण-दीप प्रज्वलन तथा अतिथियों का सम्मान हुआ। दोपहर में सालाना हिसाब पेश किया गया तत्पश्चात जिला के सोलह कारण दसलक्षण व्रतियों तथा मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया तथा सभा में आगत अतिथियों एवं जिला समाज के सदस्यों द्वारा सुझाव प्रस्ताव एवं उस पर विचार व निर्णय लिया गया, ज्ञात हो जिला के धुलियान, अरगांबाद, जंगीपुर, गनकर, सन्मतिनगर, लालगोला, जियागंज, बरहमपुर, पाकुड़, नलहटी, बेलडागां, फरक्का, मालदा आदि गांव अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज की प्रेरणा से 2002 से एक सूत्र में जुड़ें हुए हैं जहां रात्रि विवाह तथा मृतक भोज व भेंट पूर्ण रूप से वर्जित है तथा मुर्शिदाबाद जिला समाज द्वारा श्री सम्मेद शिखर के तेरह पन्थी कोठी में त्यागी व्रती के लिए निशुल्क चैका सुचारु रुप से चल रहा है।

महिलाओं ने गायों के लिए आटा दान किया, हाथों से खिलाया चारा

मुरैना। गुड़ी पड़वा के अवसर पर जेसीआई मुरैना जागृति की मेम्बर्स ने गायों के लिए आटा दान किया और उन्हें अपने हाथों से भोजन कराया। महिलाओं ने बीमार गायों के उपचार हेतु धनराशि जुटाने और दान करने का संकल्प भी लिया। जेसीआई मेम्बर्स बुधवार की शाम चम्बल कॉलोनी स्थित गैशाला पहुंचीं। वे अपने साथ आटे के बैग लेकर गई थीं। इसके अलावा गायों के लिए हरे चारे के इंतजाम भी उन्होंने किया था। गौशाला में महिलाओं ने आटे के बैग प्रबंधन को सौंपे और गायों को चारा खिलाया। उन्होंने कहा कि यहां की बीमार गायों के इलाज के लिए कुछ पैसा भी वे गौशाला प्रबंधन को देंगीं।

कभी किसी की उम्मीद उससे न छीनो, हो सकता है उसके पास सिर्फ यही एक चीज हो

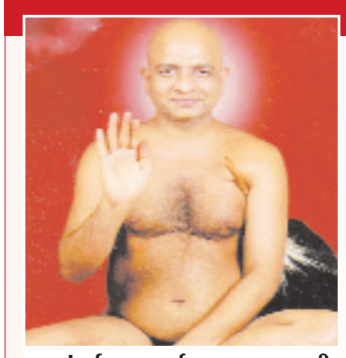

अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी

शत् शत् नमन्
शत् शत् वंदन
महाराज जी
श्रवणबेलगोला
(कर्नाटक) में
विराजमान हैं

प्रेरणा

चन्द्र प्रकाश बैद
मदनगंज-किशनगढ़

भारत गौरव, साधना महोदधि, तपाचर्य, तप शिरोमणी, युवा तपस्वी, सिंह निष्क्रीड़ित व्रत, की मौन पूर्वक साधना करने वाले दिगंबरत्व संत समाज के एक मात्र संत, अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी गुरूदेव के चरणों में शत शत नमन, वंदन, अर्चन

-: नमनकर्ता :-

राजेन्द्र कटारिया
अहमदाबाद

चन्दू काला
जे. के. मसाला

मुकेश जैन
पूर्व संघपति (चेन्नई)

दिलीप जैन हुमड
संघपति, बड़ौदा गुजरात

विज्ञापन प्रेषक : R.K.Advertising मदनगंज किशनगढ़ द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatin777@gmail.com

समय की पुकारए राजनीति में सक्रिय हो जैन सरदार

रमेश जैन तिजारिया

जैन धर्म रक्षकों एवं साधर्मी भाइयो, अक्सर वार्ता के मध्य हम लोग कहते हैं कि स्वतंत्र भारत जब हुआ तब प्रथम लोकसभा में लगभग बावन जैन सांसद थे और अब शून्य हैं इस पर हमें गंभीरता से चिंतन मनन करने पर चिन्तन में आया कि उस वक्त किसी ने खैरात में यह सांसद नहीं बना दिए जो आज हम हर पार्टी के आगे गिड़गिड़ाते हैं कि जैन उम्मीदवारों को टिकट दिए जायें और कोई भी राजनैतिक दल इस पर सोचता तक नहीं है टिकट देना तो बहुत दूर की बात है। यह हालात कई दशक से तो मैं देख रहा हूंए,सांसद विधायक तो दूर की सोच है संख्या के अनुपात में ही सही पार्षद तक टिकट नहीं पा रहे हैं। इस विषय में मेरा मानना है कि जैन समाज को यह सोचना त्याग देना चाहिए कि राजनीति गन्दा वातावरण है, इसमें हमें भाग नहीं लेना है, क्योंकि जैन समाज धार्मिक और विचारवान समाज है। मेरे साथियो, अगर चरित्रवान और सभ्य सामाजिक बन्धु इससे अलग रहेंगे तो फिर राजनीति का स्तर कैसे उन्नत होगा, कैसे धर्म सुरक्षित रहेगा, कैसे हमारे आयतन सुरक्षित होंगे। कैसे हमारी सामाजिक संस्थाएं पल्लवित होंगी, इसे गंभीरता से सोचिये आज समस्याओं का टेलर देखने को मिल रहा है। अभी तो प्रतिशत भी सामने नहीं आ रहा है। अगर हमारा समाज इसी तरह सुप्त रहेगा तो ऐसी स्थितियां देखेंगे जिनकी कल्पना से भी रोंगटे खडे हो जायेंगे, क्योंकि एक तो हमारी संख्या ही क्या है दूसरे हमारी एकता तार-तार है। हम निजी स्वार्थों में इतने मस्त हैं कि भाई भी भाई के काम नहीं आता है, बल्कि हम यह देखने के अभ्यस्त हो चुके हैं कि अब आया है ऊंट पहाड़ के नीचे अतः हमें समय रहते एकता को बनाये रखने का संकल्प लेना पड़ेगा। हमें हर कीमत पर संगठित होना है साथ ही हर घर में चाहे किसी भी स्वच्छ जन हितार्थ पार्टी के साथ जनता के हितार्थ सेवा कार्य करने चाहिए और पार्टी की सक्रिय सदस्यता प्राप्त करनी चाहिए। इतना ही नहीं ग्रामीण स्तर से पंच, सरपंच, पार्षद, विधायक के पद हेतु प्रयास करने चाहिए तभी हम राजनीति में अपने वर्चस्व को स्थापित कर सकेंगे। मैं इतना तो दावे के साथ कह सकता हूं कि मात्र जैन के नाम से हम इस प्रयास में कभी सफल नहीं हो सकते हैंए क्योंकि हमारे पास तो क्या किसी भी जाति के पास प्रजातंत्र में संख्या बल पर सफल होना सम्भव नहीं है अपवाद को छोड़कर। प्रथम लोकसभा में हमारी सदस्यता होना इसीलिए सम्भव हुआ क्योंकि परतन्त्रता से मुक्ति पाने के लिए हमारे जैन भाइयों ने तन-मन-धन से आजादी प्राप्ति हेतु बलिदान दिया था और तब भी जैन के नाम पर हमें मत प्राप्त नहीं हुए, काम के आधार पर हर जाति वर्ग ने समर्थन दिया था। इसलिए हर घर एक सदस्य राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाए। आज भी आदित्य जी झांसी से, नवीन जी आगरा से जैन समाज की अहमियत को स्थापित किए हुए हैं। कुछ महानुभाव कर्नाटक, महाराष्ट्र से भी जैन के नाम को जीवित रखे हुए हैं। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान से महामहिम गुलाब चंद जी कटारिया उच्च स्तर पर हमारी समाज के नाम को रोशन किए हुए हैं। महानुभाव आज संसद में जैन समाज की समस्याओं को उठाने वाला कौन है, आज तो फिर भी मोदी जी हैं तो जैन समाज को तसल्ली कि मोदी जी को समस्या से अवगत कराने वाला अगर कोई हो तो वो सुनकर समस्या का निदान अवश्य करते हैं और भविष्य सुरक्षित है मगर समय कैसा आ जाये यह कोई नहीं जानता इसलिए अपनी समाज को संगठित होना आवश्यक हैए क्योंकि प्रजातंत्र में संख्यातंत्र संगठित हो तो उसकी आवाज सुरक्षित है। मैं समाज के युवा साथियों का भी आव्हान करता हूं कि वो स्वच्छ राजनीति का दर्पण बनें तभी सार्थकता है।

नैनवां में हजारों साल पुराने आठ जैन स्तंभ निकले

महावीर सरावगी, संवाददाता

नैनवां जिला बूंदी, 18 अप्रैल। नैनवां का बड़ा तालाब कनक सागर विरासत समय से बना हुआ है, बड़े तालाब गणेश मंदिर पीछे रावण वध के स्थान पर झाड़ियों में मिट्टी में दबे हुए जैन स्तंभ को देखकर जैन समाज गौरवान्वित हुआ। नैनवां कस्बे से 1 किलोमीटर दूर बड़ा तालाब गणेश मंदिर के पीछे बागरिया बाग के समीप भूमि पर कांटों में 8 निषिद्ध एक ही लाइन में बने हुए मिले,

यह स्तंभ संवत 1000 से 1500 समय के हैं, इन्हें देखकर ऐसा आभास लगता है कि परिवारजनों ने जैन मुनि की समाधि की स्मृति में अलग-अलग काल में इन्हें बनवाए हैं। इन सभी स्तंभों पर जैन भगवान तीर्थंकर की मूर्तियां बनी हुई हैं। इन सबमें बड़ा स्तंभ 8 फीट की ऊंचाई का भी है। इसकी खोज ओम प्रकाश आकइयओलआ ने खोज कर हजार वर्ष पुरानी पुरातत्व अवशेष ढूंढ कर दिल्ली राजस्थान जिला बूंदी को भी अनमोल सौगाते दे चुके हैं। अब इस खोज के बाद यह जरूरी है कि जिला बूंदी व नैनवां का स्थानीय जैन समाज अपनी इस धरोहर को बचाने के लिए कितनी जल्दी आगे आकर प्रशासन से अपनी स्तंभों को सुरक्षित अपने कब्जे में लेकर उनको दर्शनीय स्थान बनाएं।

सत्य, अहिंसा, विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य, वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की चैत्र शुक्ला तेरस दिनांक 21 अप्रैल, 2024 को 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं

-: शुभाकांक्षी :-

प्रमोद जैन-
श्रीमती नीलम जैन
सम्मानित ट्रस्टी- श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा चेरिटेबुल ट्रस्ट,
उपाध्यक्ष-श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा
तुषार जैन (आशु)
दीपाली जैन, आविशा जैन, अर्हम जैन
मो. 8077577336, 9412206807

स्वागत है जैन गजट के नये आजीवन सदस्यों का

प्रकाश चंद गंगवाल- श्रीमती निशा गंगवाल, देव नगर रोड, जयपुर, (राज.)

हीरालाल-सन्मति कुमार जैन (श्रीमती कमलेश देवी जैन), निवाई, टोंक

मुकेश कुमार जैन-श्रीमती सुनीता जैन, वी. टी. रोड, मानसरोवर, जयपुर

अशोक कुमार जैन-श्रीमती किरण जैन, सिविल लाइन, जयपुर

रमेश चंद्र-विनोद कुमार जैन (श्रीमती मोना जैन), जैन नसियां जी का रास्ता, मुकाम पोस्ट फागी, जयपुर

नृसिंह लाल-भंवर लाल जैन (श्रीमती मनोरमा जैन), मुकाम पोस्ट दूदू, जिला-दूदू, जयपुर

कन्हैयालाल-राजेंद्र कुमार जैन, श्रीमती संतरा देवी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री कन्हैयालाल जैन, फागी, जयपुर

कमलेश कुमार जैन-श्रीमती निर्मला देवी जैन (मंडावरा वाले), लक्ष्मी ज्वेलर्स, मैन मार्केट मुकाम पोस्ट फागी, जयपुर

दीपक जैन (गोधा)- श्रीमती दीपा जैन (गोधा पब्लिसिटी), प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर

सुरज्ञान अग्रवाल-स्व. श्रीमती तारा देवी जैन द्वारा सतीश जैन-श्रीमती समता देवी जैन, रेनवाल मांजी, जयपुर

आप सभी महानुभावों ने जैन गजट राजस्थान संवाददाता श्री राजाबाबू गोधा, फागी की प्रेरणा से जैन गजट को 2100/- रु. प्रदान कर जैन गजट की आजीवन सदस्यता ग्रहण की है जिसके लिये जैन गजट परिवार आपका अत्यंत आभारी है। -प्रकाशक

सुरेन्द्र कुमार जैन, गुना मध्य प्रदेश

नरेन्द्र कुमार जैन कच्छ, गुजरात

बसंती लाल छगनलाल जैन अहमदाबाद, गुजरात

- विविन कुमार जैन महमूदाबाद, सीतापुर
- नमन जैन जैन गिफ्ट हाउस, महमूदाबाद, सीतापुर
- पंकज कुमार जैन, अहमदाबाद, गुजरात
- शंकरलाल जैन, अहमदाबाद, गुजरात
- श्री शान्तिलाल दिगम्बर जैन मंदिर सावंरकाठा, गुजरात
- शाह राजेश कुमार जैन, सांवरकाठा, गुजरात
- चन्द्रकला जवेरीभाई शाह, सांवरकाठा, गुजरात
- डा. विनीत जैन, सांवरकाठा, गुजरात
- शाह कांतिलाल चम्पालाल जैन सांवरकाठा, गुजरात
- शाह हितेश कुमार जैन, सांवरकाठा, गुजरात
- अल्पेश कुमार जैन सावंरकाठा, गुजरात
- भीखा लाल विजयचन्द सिंघवी जैन सांवरकाठा, गुजरात
- सुरेश कुमार सुनील कुमार गंगवाल कच्छ, गुजरात
- रेखा गंगवाल मनोज जैन, कच्छ, गुजरात
- छितरमल जैन काला, सूरत, गुजरात
- अमित जैन, सूरत, गुजरात
- कमल कुमार बालचन्द जैन छाबड़ा सूरत, गुजरात
- सुरेश हीरालाल जैन, मुम्बई
- महावीर प्रसाद गंगवाल, अजमेर
- श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जयपुर
- श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, नागौर
- थावरचन्द शान्तिदेवी, अहमदाबाद
- श्री सुरेन्द्र कुमार जैन, गुना

जैन गजट के परम संरक्षक बने

प्रसिद्ध समाजसेवी श्री सुनील कुमार अग्रवाल-श्रीमती सरोज अग्रवाल (पंसारी) जयपुर जैन गजट के बने परम संरक्षक।

इस खुशी में जैन गजट को रू. 5100/- की सहयोग राशि प्रदान करने पर जैन गजट परिवार आपका अत्यंत आभारी है।

ज्येष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमण मुनि श्री समय सागर जी महाराज की कुंडलपुर में 108 पिच्छियों के साथ ऐतिहासिक अगवानी

बड़े बाबा की नगरी का अद्भुत नजारा, विद्या गुरु की छवि यही है, अब हमारे गुरु यही हैं

राजेश रागी, संवाददाता

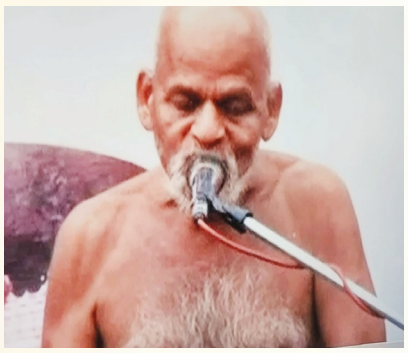

कुंडलपुर, दमोह। सुप्रसिद्ध सिद्धक्षेत्र, जैन तीर्थ कुंडलपुर की पावन वसुंधरा पर आचार्य पदारोहण अनुष्ठान महोत्सव 16 अप्रैल को आयोजित है। परम पूज्य समाधि सम्राट, युगश्रेष्ठ, संत शिरोमणि आचार्य भगवन छोटे बाबा श्री विद्यासागर जी महाराज के सभी शिष्य पूज्य बड़े बाबा के चरणों में पहुंच रहे हैं। मुनि आर्यिका संघों की कुंडलपुर में निरंतर अगवानी हो रही है। ज्येष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमण मुनि श्री समय सागर जी महाराज का भव्य मंगल प्रवेश बड़े बाबा के दरबार में हुआ। इस अवसर पर निर्यापक मुनि श्री की ऐतिहासिक भव्य अगवानी की गई। इस अवसर पर देशभर से हजारों हजार श्रद्धालु भक्त जुटे। पटेरा नगर से जैसे ही पूज्य मुनि श्री ने संघ सहित मुनि आर्यिकाओं 108 पिच्छियों के संघ के साथ कुंडलपुर की ओर विहार किया, पटेरा से लेकर कुंडलपुर तक जन सैलाब पूरे रास्ते में उमड़ता हुआ मुनि श्री की भव्य अगवानी में पलक पांवडे बिछाए नाचते गाते नारे लगाते हुए चल रहा था। भक्त नारे लगा रहे थे-देखो देखो कौन आया जिन शासन का सिरताज आया। इस दौरान गौशाला, हथकरघा, प्रतिभास्थली, पूर्णायु चिकित्सालय, भाग्योदय, शांतिधारा दुग्ध योजना आदि की विशेष झांकियां समाज को आचार्य श्री के द्वारा शुरू किए गए जीव दया के कार्यों के बारे में बताती हुई विभिन्न संदेश दे रही थीं। हाथी, घोड़ा, ढोल 50, अखाड़ा 500, ध्वज 1000 तखक्तियां ढाई हजार, लेजिम 100, नृत्य मुड़िया का बैंड, डांडिया नन्हे मंदिर चैधरी मंदिर, छतरी, भजन मंडली सिंघई मंदिर, कलश मंडली जबेरा सिग्रामपुर सागर नाका, पुष्प दृष्टि टंडन बगीचा, ध्वज मंडली बीना बारहा, कांच मंदिर, भाई जी मंदिर, विजयनगर, नेमीनगर, व्यायाम शाला बड़ा मंदिर, शेर नृत्य, बधाई नृत्य, बरेदी नृत्य, पाठशाला, बालिका मंडल मलैया मंदिर, पथरिया, सागर, बीना खुरई, दलदल घोड़ी पार्टी बंड़ा शाहपुर, खिमलासा, गढ़ाकोटा रहली, जरूरखेड़ा, नरयावली मंडला, शहडोल, विदिशा, पन्ना, टीकमगढ़, मड़वार दिव्य घोष छतरपुर नगडिया, शाहगड़, हाट पिपलिया, घोड़ी, नेमावर, हरदा, कटनी, सतना, रीवा, कटंगी, गोसलपुर, गंजबासौदा, मंडीबामोरा, पाटन, बेगमगंज, मैहर, भोपाल, उज्जैन, झांसी, शाहपुरा भिटोनी, सहजपुर, ललितपुर व्यायामशाला, दिव्य घोष दयोदय, अशोक नगर दिव्या घोष, डमरू पार्टी, छतरी पलंदी मंदिर नसिया जी, अंतर्राष्ट्रीय श्याम बैंड सम्मिलित रहे। इस अवसर पर निर्यापक मुनि श्री वीर सागर जी महाराज, ज्येष्ठ आर्यिकारत्न श्री गुरुमति माताजी, आर्यिकारत्न श्री दृढ़मति माताजी, आर्यिकारत्न श्री गुणमतिमाता और भी माताजी अगवानी में शामिल थीं। जयकुमार जैन जलज ने बताया कि विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बैंड, भारत के प्रसिद्ध 21 दिव्य घोष, 36 रथ, 111 सदस्यों का अखाड़ा, ड्रोन से सुगंधित जल व पुष्प वर्षा, हजारों आचार्य श्री एवं मुनि समय सागर जी की छवियां चित्र, 2000 धर्म ध्वजाएं, 111 विशेष ध्वजाएं, 111 ढोल नगाड़े, हटा से सर्वोदय बालिका मंडल की लेजम का प्रदर्शन करती बालिकाएं एवं दिव्य घोष, दिव्य घोष मुंगावली, सागर, जबलपुर, बंडा, बीना वारहा, देवरी, पथरिया, दमोह, हटा, पटेरा सहित सैकड़ों नगरों से सभी प्रदेशों से भक्त श्रद्धालु अगवानी के पलों को खास बनाते जा रहे थे। सैकड़ों बसें, हजारों चार पहिया वाहन इस अगवानी में हिस्सा लेने पहुंचे हुए थे। मुनि संघ का जगह-जगह रंगोली सजाकर भक्तों द्वारा एवं कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी, कुंडलपुर महोत्सव समिति द्वारा पाद प्रक्षालन किया गया। कुंडलपुर की पावन धरा पर पहुंचते ही कुंडलपुर में पूर्व से विराजमान निर्यापक संघ, मुनि संघों एवं आर्यिका संघों ने निर्यापक मुनि श्री समय सागर जी महाराज की भव्य अगवानी की भव्य मंगल मिलन हुआ। सभी निर्यापक मुनि श्री योग सागर जी, मुनि श्री नियम सागर जी, मुनि श्री सुधासागर जी, मुनि श्री समता सागर जी, मुनि श्री प्रसादसागर जी, मुनि श्री अभयसागर जी, मुनि श्री संभव सागर जी, मुनि श्री वीरसागर जी, मुनि श्री प्रमाण सागर जी, मुनि श्री प्रणम्यसागर जी सहित सभी मुनिराज, आर्यिका माता सहित सभी शिष्यों का भव्य मंगल मिलन का दृश्य अद्वितीय था। बड़ी संख्या में ब्रह्मचारी भैया जी एवं दीदी जी भी अगवानी में सम्मिलित थीं।

लोअर असम महासभा द्वारा वयोजेष्ठों का स्वागत व आशीर्वाद

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन (धर्म संरक्षिणी) महासभा, लोअर असम समिति अपने कार्यकाल में अनेक कार्यक्रमों में से एक अनूठा व लोकप्रिय कार्यक्रम व्योजेष्ठ का स्वागत कर महासभा के लिये आशीर्वाद प्राप्त करने का मंगल कार्य निरंतर करते आ रही है। यह कार्यक्रम गुवाहाटी में बसंत पंचमी के दिन सर्वप्रथम गुवाहाटी पंचायत के अध्यक्ष श्री महावीर जी गंगवाल हाथीगोला के पिताश्री वयोजेष्ठ श्रेष्ठी श्री पन्नालाल जी गंगवाल हाथीगोला वालों का स्वागत कर श्रीगणेश यानी शुरुआत की गई, इनके स्वागत हेतु प्रथम तिलक महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री महिपाल जी पहाड़िया द्वारा किया गया। वयोजेष्ठों के स्वागत के इस कार्यक्रम में महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अशोक जी छाबड़ा (लोअर असम स्वागताध्यक्ष), उपाध्यक्ष श्री कपूरचंद जी पाटनी (लोअर असम अध्यक्ष), श्री निरंजन जी गंगवाल (लोअर असम कार्याध्यक्ष), श्री सुभाष चंद बड़जात्या (लोअर असम महामंत्री), श्री रतनलाल जी रारा (पूर्व महामंत्री लोअर असम), श्री महिपाल जी पाटनी (लोअर असम कोषाध्यक्ष), लोअर असम उपाध्यक्ष श्री रामचंद्र सेठी, श्री संजय रारा, श्री शैलेश गंगवाल, श्री राजेंद्र अजमेरा, श्री ललित गंगवाल, श्री विनय छबड़ा, श्री मनोज काला इत्यादि समय-समय पर स्वागत व आशीर्वाद प्राप्त समारोह में शामिल रहे। महासभा के ट्रस्टी श्री कमलकुमार जी गंगवाल हाथीगोला का भी सहयोग रहा।
इस कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 30/31 पुरूष एवं महिलाओं का सम्मान किया जा चुका है, इसमें एक 103 साल की महिला भी हैं।

शेष पृष्ठ 1 का

अहिंसा का झण्डा थामने वाले लोग यह न समझें कि हम दुनियां की आबादी में मुट्ठी भर है तो क्या कर सकते हैं। थोड़ी सी हिम्मत और ईमानदारी से दुनियाँ को स्वर्ग में बदला जा सकता है। छोटी सी ज्वाला चिंगारी ज्वाला बन सकती है। दुनियां में खून-खराबा बहुत हो चुका अब अहिंसक शक्तियाँ इसे आजादी दिलाने आयी हैं, क्योंकि अहिंसा हमारे जीवन की शान है, जीवन की प्रतिष्ठा है। जिस प्रकार भारत में गंगा का महत्व है उसी प्रकार जीवन में अहिंसा का महत्व है। जिस दिन भारत से गंगा उठ जायेगी उस दिन भारत नंगा और भिखमंगा हो जाएगा। उसी प्रकार जीवन में अहिंसा उठ जायेगी तो हमारा जीवन भी नंगा और भिखमंगा हो जायेगा। जीवन शैली से समस्याओं का समाधान-कोरोना काल में आत्मबल की उपयोगिता को हम सबने जाना है। भगवान महावीर ने तन-मन की शुद्धि तथा आत्मबल बढ़ाने हेतु साधना एवं संयम-तप पर बल दिया। आज के भौतिकवादी युग में जहाँ खान-पान की अशुद्धता एवं अनियमितता है और जीवन तनावयुक्त है, भगवान महावीर द्वारा बताई गई जीवन शैली ही समस्याओं का समाधान है। भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह की साधना इसलिए जरूरी है कि हम सुखी रहें और पास-पड़ोस को सुखी रखें। अगर आज पूरे विश्व में महावीर के पंच सिद्धांत अपना लिए जायं तो पूरे विश्व में अन्याय, अनीति, अत्याचार, भष्ट्राचार, आतंकवाद, अराजकता, महामारियां, हिंसा, चोरी आदि विकृतियां समाप्त हो सकती हैं। भगवान महावीर ने जैन धर्म को नई दिशा दी। महावीर का साहित्य हो या श्लोक, पत्थर पर खुदे आलेख हों या चित्रित मुद्राएं, पवित्र मंत्र हो या भावपूर्ण भजन, मानव विकास एवं कल्याण में सदैव पथ प्रदर्शक रहेंगे। भगवान महावीर ने अहिंसा और पृथ्वी के सभी जीवों पर दया रखने का संदेश दिया। ''जियो और जीने दो'' जैन धर्म का मूल मंत्र है। इस एक मंत्र से विश्व के सभी समस्याओं का निराकरण कर सकता है और सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक भेदभावों से मुक्ति मिल सकती है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाये तो भी माँसाहार शरीर एवं मन दोनों के लिए प्राण घातक है और मनुष्यों में हिंसक प्रवृत्ति को जन्म देता है। उच्च रक्त चाप, मधुमेह, हृदय रोग जैसी गम्भीर बीमारियाँ विकसित होती हैं। भगवान महावीर ने तन-मन की शुद्धि तथा आत्म बल बढ़ाने हेतु, साधना एवं तपश्चर्या पर बल दिया। आज भौतिकवादी युग में जहाँ खानपान की अशुद्धता एवं अनियमितता और जीवन तनाव युक्त है, भगवान महावीर द्वारा बताई गई तप, आग एवं साधनामय जीवन शैली ही समस्याओं का समाधान है। भगवान महावीर के सिद्धान्त, न केवल सामाजिक, आत्मिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में, वरन् राजनैतिक क्षेत्र में भी सार्थक एवं प्रासंगिक हैं। भगवान महावीर का अहिंसा का दिव्य संदेश, स्वार्थ प्रवृत्ति एवं संकीर्ण मनोवृत्ति को विराम दे चुनावी हिंसा और आतंक के तांडव नृत्य को रोक सकती है। भगवान महावीर के सिद्धांत किसी विशिष्ट समाज, विशेष समय या परिस्थिति के लिए नहीं, वरन सार्वभौमिक थे।

प्रेषक- राजाबाबू गोधा, संवाददाता

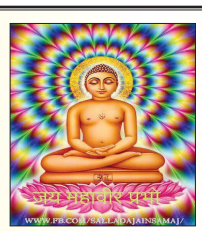

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई
एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र
भुसावर जिला-भरतपुर (राज.) 321406

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	कोषाध्यक्ष
श्री विमल चन्द जैन	श्री सुमत चंद जैन	श्री ओमप्रकाश जैन	श्री अनूप चंद जैन
मो. 8432702149	मो. 9785221233	मो. 9414023668	मो. 9783411011

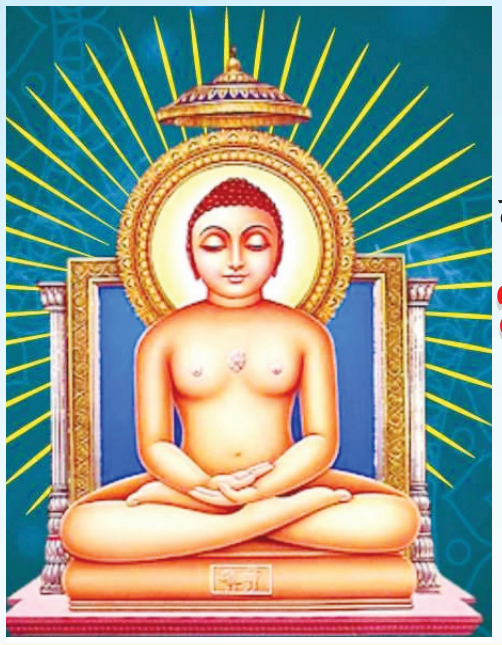

➪ किसी व्यक्ति के अस्तित्व को मिटाने की बजाय उसे शांति से जीने दें और खुद भी शांति से जीने का प्रयास करें तभी आपका और सबका कल्याण होगा।

➪ मनुष्य अपने स्वयं के दोष की वजह से ही दुखी होता है और इसलिए खुद अपनी गलती में सुधार करके ही स्वयं को प्रसन्न कर सकते हैं। --भगवान महावीर

भ. महावीर का दिव्य संदेश- 'जीओ और जीने दो'

सत्य, अहिंसा, विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य,

वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की

चैत्र शुक्ला तेरस दिनांक 21 अप्रैल, 2024 को

2623वीं जन्म जयंती पर शत शत नमन, वंदन

हिंसा पीड़ित राष्ट्र राह महावीर की तकता है।
वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है।।

देवाधिदेव भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक पर हार्दिक कोटिशः बधाईयां एवं शुभकामनायें

-: नमनकर्ता/शुभाकांक्षी :-

ज्ञानचन्द्र पाटनी
दुर्ग
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन (तीर्थ संरक्षिणी) महासभा
मोबा. 9893182255

अजीत जैन
अध्यक्ष ग्वालपारा जैन समाज
राष्ट्रीय मंत्री- श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा
मंत्री- तीर्थ संरक्षिणी महासभा, लोअर असम, दुदनई जिला ग्वालपाड़ा (आसाम)
मो. 9577919349

एडवोकेट विकास जैन
दिल्ली
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री भा. दिग. जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा

गजेन्द्र जैन, कुनकुरी
राष्ट्रीय महामंत्री- श्री भारतवर्षीय खंडेलवाल दिगम्बर जैन महासभा,
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष-श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा,
मो. 09425251222

टी. के. वेद
इंदौर
उपाध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, दिल्ली एवं
Jt Commissioner State Taxes (Ret)

प्रकाश बोहरा
ट्रस्टी- श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा चेरिटेबुल ट्रस्ट
डी-209, सेकेण्ड फ्लोर साकेत, दिल्ली - 110017
मो. 9810298267

संतोष जैन पेंढारी
नागपुर
राष्ट्रीय महामंत्री
भा. दिग. जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी
मो. 9822223911

महावीर प्रसाद अजमेरा
वरिष्ठ जैन गजट संवाददाता
समाज हितैषी व्यक्ति,
जोधपुर (राज.)
मो. 9314268528

एम. सी. जैन पत्रकार
चिखलठाना
जैन गजट संवाददाता
मो. 09820384920

अतुल जैन सर्राफ
पूर्व मंत्री बड़ौत
दिगम्बर जैन समाज समिति बड़ौत

सचिन जैन
जिला उपाध्यक्ष बागपत
जैन राजनैतिक चेतना मंच
एवं पूर्व जिला अध्यक्ष
बागपत भाजपा युवा

अतुल जैन
बागपत
जिला अध्यक्ष
जैन राजनैतिक चेतना मंच
एवं संवाददाता जैन गजट
मो. 9837172843

समस्या समाधान - रवि जैन गुरूजी

प्रश्न 1. गुरूजी, जय जिनेन्द्र, पिछले चार वर्षों से मैं घर से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं कर पा रही हूँ - रेणु दुबारिया, बंगलोर

उत्तर - रेणु जी, आप पिछले 5 साल से शनि की साढ़े साती से पीड़ित हैं साथ ही आपकी कुंडली में चन्द्रमा नीच का बैठा हुआ है। आप शनि विधान किसी अच्छे विधानाचार्य से करायें तथा सोमवार को श्री चन्द्रप्रभु चालीसा पढ़ें, अवश्य लाभ होगा।

प्रश्न 2. पिछले दो साल से एक लड़की मुझे परेशान कर रही है। मेरे खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज करा दी है - तनुज जैन, राजा गार्डन, दिल्ली

उत्तर - तनुज, आपको चाहिये कि शनिवार को काली चुन्नी किसी गरीब लड़की को दान करें।

प्रश्न 3. गुरूजी, क्या कुंडली में सूर्य-चन्द्र कभी वक्री होते हैं? - स्वर्णलता जैन, इन्द्रापुरम, गाजियाबाद

उत्तर - सूर्य-चन्द्र कभी वक्री नहीं होते और राहु केतु हमेशा वक्री ही होते हैं। बाकी ग्रह कभी-कभी वक्री होते रहते हैं।

प्रश्न 4. मुझे कौन सा रंग अधिक धारण करना चाहिये? - आदित्य जैन, कानपुर (उ.प्र.)

उत्तर - आदित्य जी, आपके लिये सफेद रंग अधिक उपयुक्त है, काला रंग भूल कर भी धारण ना करें।

गुरु जी से संपर्क सूत्र-
9990402062, 8826755078

अतिशय क्षेत्र हटा जी के जैन मंदिर में चोरों ने चोरी की घटना को दिया अंजाम

लार, टीकमगढ़ (मुकेश जैन)। निकटवर्ती श्री 1008 दिग्म्बर जैन अतिशय क्षेत्र हटा जी (टीकमगढ़) में बीती रात बड़ा जैन मंदिर में चोरी हो गई। जब सुबह पुजारी और जैन समाज के लोग मंदिर जी पहुचें तो चोरी की घटना की जानकारी हुई। स्थानीय समाज के लोगों ने मामले की शिकायत बल्देवगढ़ थाने में दर्ज कराई गई है।

मंदिर समिति के श्री वीरचन्द्र जैन शिक्षक द्वारा उक्त आशय की जानकारी देते हुये बताया कि बीती रात को अज्ञात चोरों ने बड़े मंदिर में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। आज सुबह जब मंदिर के पुजारी सहित जैन समाज के लोग पूजा अर्चना करने पहुँचे तो गर्भ ग्रह से एक चांदी का सिंहासन, चार चांदी के छत्र, एक चांदी का सिलावट, चार पीतल के कलश एवं तीन अष्टधातु के कलश चुरा ले गये हैं। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष श्री कस्तूर चन्द्र जैन ने बताया कि अज्ञात चोर मंदिर की छत से लोहा का जाल काटकर रस्सी की सहायता से गर्भ ग्रह के अंदर घुसे और चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। शिकायत पत्र देने वालों में श्रीमती शैलजा जैन सरपंच, कमल जैन,

सुखमाल वैसा, जितेन्द्र जैन, अशोक क्रांतिकारी, बल्लू जैन प्रमुख रहे।

मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष श्री राजकुमार जैन द्वारा बताया गया कि मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालकर चोरी की घटना का पता लगाया गया है। सीसीटीवी वीडियो में एक अज्ञात लड़का चेहरे पर कपड़ा बांधे हुये दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के साथ शिकायती पत्र बल्देवगढ़ थाना प्रभारी श्री मनोज सोनी जी सौंपा गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस पूरे मामले की जाँच में जुट गई है।

अनेक संस्थाओं के मध्य हुआ सर्वोच्च विद्वान डॉ. श्रेयांस जैन का सम्मान

डॉ. महेन्द्रकुमार 'मनुज'

कोपरगांव। देश के जाने माने जैन धर्म और सिद्वान्त के सर्वोच्च विद्वान डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत का एक सामाजिक समरसता स्थापित करने के एक कार्यक्रम में राष्ट्र स्तरीय आठ-नौ संस्थाओं के मध्य सम्मान हुआ।

कोपरगांव महाराष्ट्र में सकल दिगम्बर जैन साधर्मी सहयोग प्रतिष्ठान द्वारा सुधीर कुमार अनंत कुमार जैन बज परिवार के सक्रिय सहयोग से शास्त्रि परिषद्, विद्वत्परिषद्, विद्वत महासंघ, जैन संपादक महासंघ आदि देश की आठ-नौ संस्थाओं के सम्मिलित विद्वत्सम्मेलन में डॉ. जैन का भव्य सम्मान किया गया। कार्यक्रम में देश के लगभग 70 विद्वान, पत्रकार, वैज्ञानिक, समाजसेवी, बुद्धिजीवी एवं स्थानीय जन समुदाय उपस्थित था। डॉ. श्रेयांस कुमार जैन अनेक पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। जब भी सिद्धान्त सम्बंधी विवेचना या आगम ग्रन्थों पर वाचना में सैद्धान्तिक गतिरोध होता है तब डॉ. जैन को आहूत किया जाता है। आप अखिल भारतवर्षीय शास्त्रि परिषद् के यशस्वी अध्यक्ष हैं। आपकी ही अध्यक्षता में जलगांव का द्विदिवसीय कार्यक्रम भारी सफलता के साथ संपन्न हुआ। अनेक संस्थाध्यक्षों, विद्वानों, श्रेष्ठियों ने डॉ. श्रेयांस कुमार जैन को शुभकामनायें दीं हैं जिनमें ब्र. जयकुमार जैन निशांत, टीकमगढ़, डॉ. विमल कुमार जैन, जयपुर, डॉ. संगीता मेहता, इन्दौर, डॉ. उज्ज्वला जैन, औरंगाबाद, पं. पवन कुमार जैन दीवान, सागर, पं. सनत कुमार जैन, रजवांस, डॉ. महेंद्र कुमार जैन मनुज, इंदौर, पं. रमेश कुमार जैन, श्रवणबेलगोला, पं. विनोद कुमार जैन, रजवांस, डॉ. सुशील जैन, कुरावली, डॉ. ज्योति जैन, खतौली आदि प्रमुख हैं। डॉ. श्रेयांस कुमार जैन ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

डोलफिन वाटरप्रुफिंग

एडवांस टेक्नोलॉजी से छत को रखे वाटरप्रूफ, हीटप्रूफ, वेदर प्रूफ पायें सीलन, लीकेज एवं गर्मी से राहत व बिजली के बिल में भारी बचत करें।

छत व दीवारों का बिना तोड़फोड़ के सीलन का निवारण
For Your New & Old Construction

Dr. FIXIT Pidilite WATERPROOFING EXPERT

Rajendra Jain
80036-14691
Dr. Fixit Authorised Project Applicator

DOLPHIN WATERPROOFING
116/183, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur

सौरभ सागर वचन

जब कोई कार्य प्रेमभाव के साथ किया जाता है तो उसमें तत्काल सफलता मिलती है।

-: नमनकर्ता :-

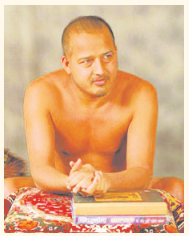

- राजूलाल जी बैनाडा, पचाला वाले जयपुर
- श्रीमती स्नेहलता सौगानी, जयपुर
- दिनेश चन्द कासलीवाल, जयपुर
- नीरज जैन, जयपुर
- श्रीमती रत्ना जैन(सुरजमल विहार, दिल्ली)
- श्रीमती ऊषा जैन, आगरा
- रमेश चन्द तिजारिया, जयपुर
- धर्मचंद पहाड़िया, जयपुर
- कुशल ठोल्या, जयपुर
- जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति
- प्रदीप जैन, मेरठ
- सारिका जैन, मेरठ

ज्ञानयोगी, संस्कार प्रणेता, जीवन आशा हॉस्पिटल प्रेरणास्रोत आचार्य सौरभ सागर जी जयपुर में विराजमान है।

संकलन: R. K. Advertising शेखर पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता जैन गजट
मो - 09667168267 email: rkpatni777@gmail.com

स्वत्वाधिकारी श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक सुभाषचंद्र गुप्ता द्वारा हिंदुस्तान मीडिया वेंचर्स लिमिटेड, विभूति खंड, गोमती नगर लखनऊ उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं श्री नंदीश्वर फ्लोर मिल कंपाउंड मिल रोड, ऐशबाग लखनऊ 226004 उ प्र. से प्रकाशित, संपादक सुधेश कुमार जैन

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मो. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
मोबा. 08290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
Mob- 09840213132

कोषाध्यक्ष
पवन गोधा
मो. 9311198985

प्रधान सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
मो. 09864118950, 0 9854050969
Email- k.c.jain39@gmail.com

परामर्शक सदस्य
शिवचरणलाल जैन, मैनपुरी
मो. 09219160350
बसन्त कुमार शास्त्री, शिवाड़
मो. 08107581334

सम्पादक
सुधेश कुमार जैन, लखनऊ
मो. 09415108233, 9369025668
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
jaingazette2@gmail.com

सह सम्पादक (मानद)
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
राजेन्द्र जैन 'महावीर' सनावद
मो. 9407492577
सुनील 'संचय' ललितपुर
मो. 9793821108

लखनऊ प्रधान कार्यालय प्रबंधक प्रकाशक एवं मुद्रक
सुभाषचन्द्र गुप्ता
मोबा. 09415008344

दिल्ली मुख्य कार्यालय प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, 5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -1
011-23344668, 23344669,
digjainmahasabha@gmail.com
www.digjainmahasabha.org

जैन गजट की सदस्यता

वार्षिक (एक वर्ष) रू. 300
आजीवन (दस वर्ष) रू. 2100
निर्धारित रियायती साधारण डाक से
कोरियर से मंगाने पर
अतिरिक्त शुल्क- दिल्ली, उ.प्र.
रू. 1000 अन्य प्रदेश रू. 1500

'जैन गजट' में विज्ञापन

देने हेतु सम्पर्क-
7607921391,
9415008344,7505102419
जैन गजट में प्रकाशनार्थ लेख, फोटो, समाचार, विज्ञापन आप ईमेल
jaingazette2@gmail.com
पर भेजें

विवेक और विनय बिना मोक्ष नहीं है - आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज

परम पूज्य, वात्सल्य वारिधि, पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के चरणों में
शत् शत् नमन्

-: नमनकर्ता :-

प्रकाशचन्द - सरला देवी पाटनी
निवासी सुजानगढ़ प्रवासी शिलांग

शत् शत् नमन
शत् शत् वंदन

सुधान्शु कासलीवाल
जयपुर

नवरतनमल
श्यामनगर जयपुर
(अष्टम प्रतिमाधारी)

इन्द्रमणी देवी चूड़ीवाल
धर्मपत्नी स्व. आनन्दीलाल जी
चूड़ीवाल निस्वार फैशन्स, जयपुर

राजेन्द्र कटारिया
अहमदाबाद

श्रीमती रत्नप्रभा सेठी
गुवाहाटी

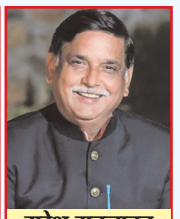

सुरेश सबलावत
जयपुर

संजय पापड़ीवाल
मदनगंज-किशनगढ

महावीर बोहरा
जोधपुर

प्रेमचंद सेठी
मेड़ता रोड (राज.)

अशोक कटारिया
(निवाई वाले)

श्रीमती इन्द्रमणी देवी
बाकलीवाल, सिल्चर

श्रीमती कंचन देवी
विनायक्या
निवासी सीकर प्रवासी सूरत

विज्ञापन प्रेषक: R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़, द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

अद्भुत है दिल्ली का अदृश्य नाभेय जिनालय

जैनदर्शन और हिन्दू अध्ययन के अध्येताओं ने किया हेरिटेज वॉक

शुभी जैन, नई दिल्ली

शैक्षिक भ्रमण, विद्यार्थियों को रोचक तरीके से भारतीय इतिहास, संस्कृति और धर्म को समझने का एक कारगर और आकर्षक उपाय है। पुस्तकें मात्र सैद्धांतिक ज्ञान देती हैं, जबकि शैक्षिक भ्रमण वास्तव में उस स्थान पर जाकर प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करता है। जैन धर्म, जिनायतन, पूजन अभिषेक, तीर्थंकर, जैन मूर्तिकला और पुरातत्व के विशेष साक्षात्कार के लिए लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के जैन दर्शन विभाग एवं हिन्दू अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने जैन हेरिटेज वॉक का आयोजन किया। जिसके तहत सर्वप्रथम तीर्थंकर महावीर के अनुपम तीर्थ अहिंसा स्थल, महरौली में सभी लोग प्रातःकाल एकत्रित हुए। वहाँ आचार्य कुंदकुंद समयसार मंदिर में विराजमान भगवान के अभिषेक और पूजन के साक्षात दर्शन किये। उसके अर्थ और महत्त्व पर प्रो. अनेकांत जैन जी द्वारा प्रकाश डाला गया। अनंतर ऊपर खुले आकाश में विराजमान तीर्थंकर महावीर की विशाल प्रतिमा के समक्ष गोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें जैनदर्शन विभाग की छात्राओं ने सुंदर भजन प्रस्तुत किया। प्रो. अनेकांत जी ने संगोष्ठी का संचालन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों और अध्यापकों का इस तरह समवेत होकर तीर्थ भ्रमण एक अद्भुत अनुभव है जो हमेशा याद रहेगा। प्रो. वीरसागर जैन जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ पूरे विश्व में मानव अधिकार की बात करता है परंतु जैन धर्म सभी जीवों के अधिकार की बात करता है वह उनके अनुयायियों के विचारों को बहुत महान बना देता है। प्राकृत विभाग की प्रो. कल्पना जैन ने सभी को राग द्वेष का त्याग करके साम्यभाव धारण करने की कला बतायी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो. प्रवीण जैन एवं श्रीमती सुमनलता जैन तथा अहिंसा स्थल के श्री अशोक जैन ने सभी का स्वागत किया और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। स्वल्पाहार के पश्चात कुतुबमीनार परिसर का सभी ने एक साथ भ्रमण किया। प्रो. अनेकान्त कुमार जैन जी ने अपनी शोध के आधार पर कुतुबमीनार के जैन इतिहास, वहां की जैन भौगोलिक संरचना और अनेक नए तथ्यों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यहाँ पहले बहुत बड़ा नाभेय जिनालय था, जिसमें आदिनाथ भगवान की एक विशाल प्रतिमा विराजमान थी। उन्होंने यहाँ निर्मित उन स्थानों की तुलना पांडुकशिला और सहस्त्रकूट जिनालय से की जिसे अंग्रेजों का आराम स्थल बताकर उपेक्षित किया जाता है। उन्होंने कई प्रमाणों के आधार पर बताया कि यहाँ विशाल सुमेरु पर्वत की रचना थी। जिसे कुतबुद्दीन ऐबक ने बदलकर कुतुबमीनार बना दिया। सभी ने नाभेय जिनालय के अवशेषों का, दीवार पर उकेरी गईं तीर्थंकर मूर्तियों का निरीक्षण किया और चित्र भी लिया। सभी ने जैन धर्म के महत्त्व, इतिहास और संस्कृति को बहुत करीब से जाना और आपसी संवाद के माध्यम से उस पर सार्थक विमर्श भी किया।

मध्य प्रदेश में जैन कल्याण बोर्ड गठन करने की मांग

शिवपुरी (मनोज जैन नायक)। मध्य प्रदेश में जैन कल्याण बोर्ड का गठन कर जैन संतों के चातुर्मास हेतु भूमि आवंटन और संत विहार में सुरक्षा का वायदा पूरा करने की मांग विश्व जैन संगठन एवं सकल जैन समाज शिवपुरी ने मध्य प्रदेश शासन से की है। विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन ने कहा कि वर्ष 2023 में मध्य प्रदेश भाजपा के संकल्प पत्र में जैन कल्याण बोर्ड के गठन, जैन संतों के चातुर्मास हेतु भूमि आवंटन और विहार में सुरक्षा का आश्वासन दिया था जिसे सरकार ने अभी तक पूरा नहीं किया है। जिससे जैन समाज अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहा है। विश्व जैन संगठन के कार्यकारिणी सदस्य सलेकचंद जैन एवं सकल जैन समाज महापंचायत शिवपुरी के अध्यक्ष दिनेश जैन, कार्याध्यक्ष महेन्द्र जैन भैयन ने बताया कि जैन धर्म भारत का अल्पसंख्यक धर्म है और जैन तीर्थों पर अतिक्रमण व अनधिकृत कब्जे लगातार हो रहे है, साथ ही जैन संतों पर भी आए दिन हमले व अनर्गल टिप्पणी की जाती है। मध्य प्रदेश में जैन तीर्थों व संतों का संरक्षण और संवर्धन हेतु जैन कल्याण बोर्ड का गठन अतिशीघ्र होना आवश्यक है। श्री आकाश जैन राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी विश्व जैन संगठन ने कहा कि आषाढ़ माह से जैन मुनिराजों का चार माह का चातुर्मास प्रारंभ हो जायेगा। मध्य प्रदेश सरकार जल्द से जल्द राज्य स्तरीय आदेश जारी कर जैन संतों के चातुर्मास के लिए प्रत्येक शहर, गांव, कस्बे में भूमि आवंटन कर संकल्प पत्र का वायदा पूर्ण करें। विश्व जैन संगठन एवं सकल जैन समाज महापंचायत समिति शिवपुरी की आयोजित अति आवश्यक सभा में समस्त कार्यकारिणी ने मांग करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में जैन कल्याण बोर्ड का अतिशीघ्र गठन कर जैन संतों के चातुर्मास हेतु भूमि आवंटन और संतों के विहार में सुरक्षा प्रदान हेतु आदेश जारी किए जाएं।

तन्वी कासलीवाल बनीं जैन समाज से पहली महिला कॉमर्शियल पायलट

कमल कुमार बाकलीवाल, अजमेर

सुश्री तन्वी कासलीवाल (सुपौत्री स्व. श्री मदनलाल जी-कमला देवी कासलीवाल) सुपुत्री सुनील-बबीता कासलीवाल (डिमापुर-किशनगढ़ निवासी) भारतवर्ष की दिगम्बर जैन समाज से पहली महिला कॉमर्शियल पायलट बन गई हैं। तन्वी ने अपना पायलट प्रशिक्षण अमेरिका से पूर्ण किया है। तन्वी ने न सिर्फ अपने माता पिता बल्कि पूरे जैन समाज को गौरवान्वित किया है। इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए जैन गजट परिवार की ओर से सुश्री तन्वी को अनेकानेक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

डॉ. वीरचंद जैन को प्राकृत भाषा एवं साहित्य मनीषी पुरस्कार

डॉ. रीना जैन, उदयपुर

दरभंगा। श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा, प्राच्यविद्या एवं जैन संस्कृति संरक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में श्री खंडेलवाल दिगंबर जैन मंदिर, कनॉट प्लेस, दिल्ली में ''वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है'' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर जैन दर्शन एवं प्राकृत भाषा के युवा विद्वान डॉ. वीरचंद्र जैन, सहायक प्राचार्य, महारानी महेश्वर लता संस्कृत विद्यापीठ लोहना, मधुबनी, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, बिहार को उनकी प्राकृत भाषा साहित्य के प्रति अगाढ़ रुचि एवं प्राकृत साहित्य रचनाओं को देखते हुए प्राच्यविद्या एवं जैन संस्कृति संरक्षण संस्थान द्वारा ''प्राकृत शिरोमणि आचार्यश्री सुनील सागर प्राकृत भाषा एवं साहित्य मनीषी पुरस्कार 2023'' से सम्मानित किया गया।

संकलन: R. K. Advertising शेखर पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता जैन गजट मो - 09667168267 email: rkpatni777@gmail.com

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92

Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on
Every Monday, wednesday and thursday

डाक पंजीयन संख्या :
SSP/LW/NP/115/2024-2026

If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette
C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh,
Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Mob. 9415108233,
7505102419, 7607921391 Web site- jaingaztte.com
email- jaingazette2@gmail.com whatsapp 7607921391

To,
.....
.....
.....

एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)

वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-,
दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-
(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।